

रायपुर पहुंचीं भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुआ जोरदार स्वागत

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। रायपुर: छत्तीसगढ़ बीजेपी की प्रदेश प्रभारी बनाए जाने के बाद पहली बार स्मृति ईरानी रायपुर पहुंचीं हैं। छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रभारी का रायपुर एयरपोर्ट पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट से स्मृति ईरानी सीधे भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचीं, जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव स्वयं ने भी स्मृति ईरानी का स्वागत किया, इस दौरान स्मृति ईरानी ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात कर सियासी हालात की जानकारी ली।

स्मृति ईरानी के पहले छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर संगठन में काफी उत्साह है। 2 दिवसीय दौरे के दौरान



स्मृति ईरानी प्रदेश संगठन, जनप्रतिनिधियों, पार्टी के पूर्व पदाधिकारियों और विचार परिवार के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैठकों में शामिल होंगी।

स्मृति ईरानी का 2 दिवसीय दौरा
भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी अपने दो दिवसीय प्रवास पर रायपुर पहुंचीं। उनके इस दौरे को प्रदेश

संगठन के साथ परिचय, संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुआ स्वागत
एयरपोर्ट से कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचने पर स्मृति ईरानी का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित पार्टी के वरिष्ठ

पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश संगठन के नेताओं और पदाधिकारियों ने उनसे मुलाकात की। स्मृति ईरानी ने भी पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाकात कर संवाद किया। प्रदेश प्रभारी के रूप में उनके पहले दौरे के चलते प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक कामकाज और आगामी गतिविधियों को लेकर इस प्रवास को अहम माना जा रहा

है। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में स्वागत और मुलाकात के बाद उनके निर्धारित संगठनात्मक कार्यक्रमों पर सबकी नजर है। दौरे के दौरान प्रदेश संगठन के अलग-अलग स्तरों पर काम कर रहे नेताओं के साथ चर्चा का कार्यक्रम तय है।

भव्य स्वागत रैली के बजाय सादरीपूर्ण स्वागत
स्मृति ईरानी के प्रथम छत्तीसगढ़ आगमन पर राजधानी रायपुर में एयरपोर्ट से लेकर शहर की प्रमुख सड़कों तक भव्य स्वागत रैली निकालने की तैयारी की गई थी। हालांकि, प्रस्तावित भव्य रैली के बजाय उनके स्वागत कार्यक्रम को सादरीपूर्ण रखा गया। एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद वह सीधे भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचीं, जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण



विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जिला बस्तर के दरभा विकासखंड के ग्राम कोटमसर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पेदावाड़ा मांझीपाल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा नन्हें बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनसे बातचीत की।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण
निरीक्षण के दौरान मंत्री राजवाड़े ने बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और बेहतर देखभाल के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को सुरक्षित और स्नेहपूर्ण वातावरण के साथ जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनके समुचित पोषण और विकास को

सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने केंद्र की व्यवस्थाओं को बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक देखभाल की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। यहां बच्चों को बेहतर सुविधाएं और आत्मीय वातावरण मिले, इसके लिए सतत निगरानी और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए।

पंडरी कपड़ा मार्केट में लगी आग, पुलिस और अग्निशमन दल मौके पर

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। रायपुर के पंडरी कपड़ा मार्केट की एक दुकान में भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर दमकल की गाड़ियां और पुलिस की टीम पहुंची है। एहतियातन के तौर पर आसपास के कई दुकानों को पुलिस ने बंद करवा दिया है। साथ ही लोगों से सावधानी बरतने की भी अपील की है। फिलहाल, आग बुझाने का काम जारी है।



प्राप्त जानकारी के अनुसार सिटी सेंटर मॉल के पीछे स्थित होम डेकोरेशन की दुकान में आज दोपहर आग लग गई। आग दुकान के चौथे माले पर लगी। आगजनी की सूचना

जैसे ही दुकान में मौजूद कर्मचारियों को हुई तो अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारी तत्काल बाहर निकले और इसकी जानकारी पुलिस व दमकल की टीम को दी। मौके पर स्थानीय पुलिस

और अग्निशमन दल की गाड़ियां पहुंची है। बता दें कि आज रविवार और दीपावली का त्योहार नजदीक होने की वजह से पंडरी की दुकानों में ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ है। इसी बीच

अचानक डेकोरेशन की दुकान के चौथे माले में अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग भीषण हो गई और आसपास मौजूद ग्राहकों में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम जारी है। पुलिस की टीम ने एतियातन के तौर पर आसपास की दुकानों में मौजूद ग्राहकों को बाहर निकाल कर दुकानों को बंद करवा दिया है। फिलहाल मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस व लोगों का जमावड़ा है। वहीं, फायर ब्रिगेड की टीम युद्ध स्तर पर आग बुझाने में जुटी हुई है।

चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में आगामी दिनों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर ने किसानों के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह जारी की है। विश्वविद्यालय ने किसानों से फसलों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने और कृषि कार्यों में मौसम के अनुरूप बदलाव करने की अपील की है।



चक्रवाती तूफान के महेनजर किसान कल्याण मंत्री राम विचार नेताम और कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने किसान के हित में आवश्यक सहयोग के लिए विभाग अधिकारी कर्मचारी सहित मैदानी अमले को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अगले कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस दौरान हवा की गति 115 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की

संभावना है। चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 25 अक्टूबर से वर्षा की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। विशेष रूप से 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 25 अक्टूबर को बस्तर संभाग के बस्तर, दतेवाड़ा और सुकमा जिलों में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है। इसके अलावा रायपुर, गरियाबंद, धमतरी, महासमुद्र, दुर्ग और राजनांदगांव सहित अन्य जिलों में भी भारी बारिश हो सकती है।

संविद 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल और वैश्विक विमर्श का संगम

विश्व केसरी■
भिलाई। श्री शंकराचार्य संस्थान, भिलाई में आयोजित संविद 2026 के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं और बौद्धिक विमर्श ने युवाओं में उत्साह भर दिया। एल'अवेनिर न्यू जनरेशन समिट 2026 के तहत आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) में 200 से अधिक प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। महासचिव नारायणी मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में उच्च स्मितिओं के माध्यम से संवैधानिक अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, डिजिटल नैतिकता और महिला सुरक्षा जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।



कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संगीत, नृत्य और खेल प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रायटर्स इंटरनेशनल प्रेस कॉर्पस के तहत प्रतिभागियों ने छायांकन, वीडियो निर्माण और पत्रकारिता का व्यावहारिक अनुभव

प्राप्त किया। शाम को डीजे अमीन जैज की प्रस्तुति ने युवाओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. जया मिश्रा, डॉ. सिमता सेलट सहित संस्थान के अधिकारी, प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संविद 2026 में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल और वैश्विक विमर्श का संगम

कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायपुर में उत्साह एवं खेल भावना के साथ ‘स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026’ का मत्त्य आयोजन

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (KVGU), रायपुर में 22 से 24 अक्टूबर 2026 तक ‘स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026’ का भव्य आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय खेल महोत्सव में रूप से स्वास्थ्य रहने तथा खेलों को अपने ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ फार्मेसी, शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत जीवन का स्कूल ऑफ साइंस एंड कंप्यूटिंग तथा स्कूल ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य, टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करना था।

स्पोर्ट्स फिएस्टा ने विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा और ऊर्जा का प्रदर्शन करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। विभिन्न खेल गतिविधियों एवं

प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने समर्पण, दृढ़ संकल्प, आपसी समन्वय और उच्च कोटि की खेल भावना का परिचय दिया। पूरे विश्वविद्यालय परिसर में ऊर्जा, उमंग और उत्साह का अभूतपूर्व वातावरण देखने को मिला। इस आयोजन ने विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने तथा खेलों को अपने शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत जीवन का अविभाज्य हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन के उद्घाटन एवं समापन समारोह में विश्वविद्यालय के गरिमामयी पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनमें प्रो. वाई. नरसिम्हलू (कुलपति), कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी), डॉ. रितेश कुमार देवांगन (कुलसचिव), डॉ. सीमा अग्रवाल (निदेशक, IQAC) तथा डॉ. संदीप कुमार सोनकर (परीक्षा नियंत्रक) शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम

की गरिमा बढ़ाई और विद्यार्थियों को खेलकूद एवं पादथेतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यार्थी जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय ने नेतृत्व ने रेखांकित किया कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस तरह की गतिविधियाँ अकादमिक शिक्षा के साथ शारीरिक स्वास्थ्य और पारस्परिक विकास में संतुलन स्थापित करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में योगदान देती हैं।

विश्वविद्यालय के पाँचों स्कूलों के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता ने आपसी संवाद, सहयोग, एकता और विश्वविद्यालय समुदाय के प्रति अपनत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया। इस आयोजन ने यह भी सिद्ध किया कि

विश्वविद्यालय कक्षा-कक्षा की सीमाओं से परे जाकर विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य की व्यक्तिगत व व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु निरंतर कटिबद्ध है। 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' का समापन 24 अक्टूबर 2026 को उत्साह, सौहार्द और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ संपन्न हुआ। यह तीन दिवसीय खेल महोत्सव कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी की गुणवत्तापूर्ण एवं सर्वांगीण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण को बहावा देने के प्रयासों का प्रतीक रहा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों, आयोजकों और प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। सभी के सहयोगात्मक समर्पण और उत्साह ने 'स्पोर्ट्स फिएस्टा 2026' को अत्यंत यादगार बना दिया।

वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान: कांग्रेस ने चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची की जांच की उठाई मांग

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस में मतदाता सूची की पारदर्शिता, कथित चुनावी अनियमितताओं और निर्वाचन प्रक्रिया में जवाबदेही सुनिश्चित करने के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पार्टी का कहना है कि वोट चोरी का मुद्दा केवल विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) तक सीमित नहीं है, बल्कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने-काटने, दोहरे पंजीकरण और चुनावी आंकड़ों की उपलब्धता से भी जुड़ा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 7 फरवरी 2025 को महाराष्ट्र के चुनावी आंकड़ों पर सवाल उठाते



हुए लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच लगभग 39 लाख मतदाताओं की वृद्धि का मुद्दा उठाया था। पार्टी ने इस वृद्धि के कारणों और मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया से संबंधित आंकड़े 1,00,250 वोट प्रभावित होने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दोहरे पंजीकरण, संदिग्ध प्रविष्टियों और

पंजीकरण का प्रमाण नहीं है। इसी तरह, 7 अगस्त 2025 को बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का विश्लेषण प्रस्तुत करते हुए राहुल गांधी ने कथित अनियमितताओं के कारण 1,00,250 वोट प्रभावित होने का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दोहरे पंजीकरण, संदिग्ध प्रविष्टियों और

फॉर्म-6 के कथित दुरुपयोग की जांच की मांग की। पार्टी ने हरियाणा और कर्नाटक के आलंद में भी मतदाता सूची से संबंधित अनियमितताओं के आरोप उठाए। अभियान में मतदाता सूची के मूल आंकड़े डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराने, नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया सार्वजनिक करने

तथा स्वतंत्र सत्यापन की सुविधा देने की मांग की जाएगी।

कांग्रेस एसआईआर के दौरान मतदाता सूचियों से हटाए गए नामों और लिंबित अपीलों को लेकर भी पारदर्शिता चाहती है। पार्टी का कहना है कि प्रारूप सूची से हटाए गए नामों, अंतिम सूची से हटाए गए नामों और लिंबित अपीलों के आंकड़ों को अलग-अलग समझना जरूरी है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से आरोपों पर स्पष्ट जवाब देने और निर्वाचन प्रक्रिया में जनता का विश्वास मजबूत करने की मांग की है। हालांकि, इन आरोपों को स्वतंत्र जांच या आधिकारिक निष्कर्ष से प्रमाणित होने तक कथित अनियमितताओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

रायपुर में ट्रक ने मां-बेटी को कुचला, कोरिया में बस-बोलेरो की टक्कर में महिला की मौत

विश्व केसरी■
रायपुर (संवाददाता)। रविवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में मां-बेटी समेत 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। पहला हादसा राजधानी रायपुर के वीआईपी चौक पर हुआ, जहां ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया जहां मां ने मौके पर ही दम तोड़ दिया वहीं 9 साल की बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। वहीं दूसरा हादसा कोरिया जिले के जमदुआरी घाट पर हुआ, जहां तेज रफ्तार बस और बोलेरो की टक्कर में एक महिला की मौत हो गई। इस हादसे में चार बच्चों समेत 14 लोग घायल हो गए जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।



गांव की रहने वाली गंगा साहू (35) और उनकी बेटी रितिका साहू (9) स्कूटी पर सवार होकर रायपुर शहर की तरफ आ रही थीं। दोपहर में वीआईपी चौक पर टुक (नंबर एमएच15ईजी7219) ने उन्हें रौंद दिया। हादसा इतना गंभीर था कि मां ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गंभीर हालत में बेटी को मेकाहारा लाया गया, जहां उसकी भी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद चौक पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर तेलीबांधा थाना पुलिस मौके पर

पहुंची और जांच शुरू की। हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है। वीआईपी रोड पर हुआ यह हादसा पहला नहीं है। इससे पहले भी यहां ट्रक की चपेट में आने से कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिनमें लोगों की जान जा चुकी है। वहीं कोरिया जिले में रविवार को सुबह नेशनल हाईवे-43 पर हुआ। चरचा थाना क्षेत्र के नगर जंगल में रांची से चिरमिरी जा रही राजहंस बस और बोलेरो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बोलेरो सवार महिला रिंतु सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए।

बांग्लादेश ने बंदरगाह का कॉन्ट्रैक्ट डेनमार्क के मार्स्क ग्रुप दिया, चीन के प्लान को लगा झटका

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। बांग्लादेश के समुद्री बंदरगाहों पर नियंत्रण हासिल कर बंगाल की खाड़ी और उससे आगे अपने रणनीतिक हितों को बढ़ाने की चीन की योजना को झटका लगा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार ने देश के बंदरगाहों के आधुनिकीकरण के लिए अन्य वैश्विक बंदरगाह संचालकों को ठेके दिए हैं।

ब्रिकलैन न्यूज पोर्टल पर प्रकाशित लेख में कहा गया है कि पिछले जून में बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बीजिंग यात्रा के दौरान यह फैसला लिया गया था कि चीन मोंगला बंदरगाह का विकास करेगा।

बंदरगाह की माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए चीन की वित्तीय सहायता से एक परियोजना के तहत



मोंगला बंदरगाह पर आधुनिक मशीनों से लैस दो अत्याधुनिक कंटेनर जेटी का निर्माण किया जाना था।

हालाँकि, हालिया घटनाक्रम में चटगांव पोर्ट अथॉरिटी ने डेनमार्क के मार्स्क ग्रुप के साथ 30 साल का

समझौता किया है। दुनिया की प्रमुख टर्मिनल संचालक कंपनियों में शामिल मार्स्क ग्रुप इस समझौते के तहत सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) ढांचे के अंतर्गत चटगांव बंदरगाह पर लाडिया कंटेनर टर्मिनल की डिजाइनिंग, वित्तपोषण,

अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) के रियायती ऋण से मातारबाड़ी बंदरगाह के विकास और डेनमार्क के मार्स्क ग्रुप के साथ चटगांव में लाडिया कंटेनर टर्मिनल के विकास से जुड़े दोनों समझौतों पर 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे, जब देश में अंतरिम सरकार सत्ता में थी।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी बांग्लादेश की समुद्री परिसंपत्तियों के आसपास चीन की बढ़ती व्यावसायिक और तकनीकी मौजूदगी को ध्यान भारत की चिंताओं पर व्यक्त किया था। भारत के निकट रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर चीन की मौजूदगी बढ़ने की आशंकाओं के मद्देनजर उन्होंने चीनी सहायता से सोनादिया में गहरे समुद्र का बंदरगाह बनाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था।

फिलीपींस: ओलोंगापो शहर का हीट इंडेक्स 44.8 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। देश दुनिया का मौसम तेजी से बदल रहा है। इस बीच फिलीपींस के ओलोंगापो शहर में रविवार को भी भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहा। शहर के बारेट्रो इलाके में हीट इंडेक्स 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसके बाद क्षेत्र को खतरे की श्रेणी में रखा गया। स्थानीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, शहर के कुछ हिस्सों में गर्मी का प्रभाव लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है।

फिलीपींस के समाचार पोर्टल ‘इनक्वायरर’ की रिपोर्ट के मुताबिक, बारेट्रो स्थित स्वचालित मौसम निगरानी केंद्र में रविवार सुबह हीट इंडेक्स 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, ओल्ड केबालन इलाके के निगरानी



केंद्र में सुबह 10 बजकर 35 मिनट पर यह 40.5 डिग्री सेल्सियस रहा। इस स्तर को ‘अत्यधिक सावधानी’ की श्रेणी में रखा गया। हीट इंडेक्स उस तापमान को दर्शाता है, जिसका एहसास किसी व्यक्ति को हवा के तापमान और उसमें मौजूद नमी के संयुक्त प्रभाव के कारण होता है इसलिए वास्तविक तापमान से कम होने के बावजूद अधिक आर्द्रता के कारण शरीर को ज्यादा गर्मी महसूस हो सकती है।

फिलीपींस के मौसम विज्ञान प्रशासन के अनुसार, हीट इंडेक्स के खतरे की श्रेणी में पहुंचने पर लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से गर्मी से जुड़ी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। इनमें मांसपेशियों में ऐंठन, थकावट और गंभीर मामलों में हीट स्ट्रोक शामिल हैं। ऐसी परिस्थितियों में लोगों को लंबे समय तक सीधे धूप में रहने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और संभव हो तो उंडे या हवादार स्थानों पर रहने की सलाह दी जाती है।

हवा में मौजूद पीएम 2.5 कणों से कैसे बचें? सही मास्क की पहचान और बच्चों के लिए मास्क खरीदने से पहले जान लें ये बातें

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। जैसे-जैसे सर्दियां दस्तक देती हैं, स्मॉग का स्तर बढ़ने लगता है और हवा प्रदूषित होने लगती है। इसके पीछे कई सारे कारण होते हैं, उनमें से प्रमुख कारण ईंधन वाली गाड़ियां और पराली जलाने की घटनाएं हैं। ऐसे में घर से बाहर कदम रखते ही आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। खुद को और अपने परिवार को बचाने के लिए हम तुरंत कार्रवाही कर सकते हैं।

मास्क चुनने से पहले हमें यह जानना होगा कि हम किससे लड़ रहे हैं। हवा में तैरते बारीक कणों को ‘पार्टिकुलेट मैटर’ (पीएम) कहा जाता है। इसके दो प्रकार होते हैं,



जिनमें पीएम 10 और पीएम 2.5 शामिल हैं।

पीएम 10 वे कण हैं जिनका रेडियस 10 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है। इनमें धूल, पराग कण और धुएँ के मोटे कण शामिल होते हैं। ये हमारी नाक और गले तक पहुंचकर खराश और एलर्जी पैदा करते हैं। पीएम 2.5 सबसे

खतरनाक और जानलेवा कण होते हैं। इनका आकार 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम होता है। ये इतने बारीक होते हैं कि हमारी नाक के बालों को पार करते हुए सीधे फेफड़ों तक और वहां से हमारे रक्त प्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और दिल की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण यही कण हैं।

जब हवा में पीएम 2.5 का स्तर खतरनाक हो, तो सही मास्क का चुनाव ही आपकी ढाल बन सकता है। अस्पतालों में दिखने वाला यह नीले या हरे रंग का 3-प्लेई मास्क धूल के बड़े कणों (पीएम 10) और धुँएँ/खांसी की बूँदों को रोकने में तो सक्षम होता है, लेकिन प्रदूषण के मामले में यह लगभग बेअसर है। यह फिनारों से खुला रहता है और पीएम 2.5 जैसे बारीक कणों को फिल्टर नहीं कर पाता। भारी प्रदूषण में इसे पहनना न पहनने के बराबर है। प्रदूषण से जंग में यह सबसे प्रमाणित और अनुशंसित होता है। यहां ‘एन’ का मतलब नॉन-ऑयल (यह तेल रहित वातावरण में काम करता है) और ‘95’ का मतलब इसकी क्षमता से है।

विविध

चक्रवात से निपटने की तैयारी तेज, ओडिशा ने प्रभावित जिलों में 5 आईएस अधिकारियों की तैनाती की

विश्व केसरी■

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने रविवार को पांच आईएस अधिकारियों को उन पांच जिलों में तैनात किया, जिनके आगामी चक्रवाती तूफान से सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। ये अधिकारी स्थानीय प्रशासन को तैयारियों में सहायता करेंगे और चक्रवात के बाद राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों की निगरानी करेंगे। राज्य सरकार ने वरिष्ठ अधिकारियों को अपने-अपने निर्धारित जिलों में तुरंत पहुंचने का निर्देश दिया है।

ओडिशा के सामान्य प्रशासन और लोक शिक्षावत विभाग द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया कि निम्नलिखित आईएस अधिकारियों को उनके नाम के आगे उल्लिखित संबंधित जिलों में तैनात किया गया है, ताकि राज्य में आने वाले चक्रवात से संबंधित राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों की तैयारियों और सुचारु प्रबंधन में जिला



प्रशासन की सहायता की जा सके। संबंधित अधिकारियों से अनुरोध है कि वे तुरंत जिलों में पहुंचें। कार्यालय के एक आदेश के अनुसार, ओडिशा राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के. सुदर्शन चक्रवर्ती को रायगड़ा जिले का प्रभार सौंपा गया है, जबकि अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति विकास एवं अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ओडिशा अतिरिक्त सचिव पोमा टुडू कोरापुट जिले में चक्रवात की तैयारियों के साथ-साथ पुनर्वास कार्यों की देखरेख करेंगे।

इसी प्रकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त सचिव बिजय कुमार डैश, खेल विभाग के निदेशक येदुला विजय, और ओडिशा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त सचिव महेश्वर स्वैन को क्रमशः गजपति, मलकानगिरी और नबरंगपुर जिलों में तैनात किया गया है।

रविवार को मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने बताया कि ये अधिकारी पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेंगे और संबंधित जिला प्रशासनों एवं कलेक्टरों की सहायता करेंगे।

ईरान का दावा, दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के ऊपर अमेरिकी ड्रोन मार गिराया

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान की सेना ने रविवार को दावा किया कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने दक्षिणी बंदरगाह शहर बंदर अब्बास के ऊपर एक अमेरिकी ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया। ईरानी सेना ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने ड्रोन को मार गिराया। सेना के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में ईरान द्वारा रोका गया यह 54वां अमेरिकी ड्रोन है।

इससे पहले, इसी सप्ताह ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्पस (आईआरजीसी) ने दावा किया था कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर एक अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि तेहरान वाशिंगटन के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंचता है,



तो अमेरिकी सेना ईरान पर एक बार फिर सैन्य हमले कर सकती है। उनके बयान से संकेत मिलता है कि ईरान को निर्णायक रूप से हराने के दावे के बावजूद अमेरिका सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखे हुए है।

ट्रंप ने शुक्रवार को फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स में रिपब्लिकन पार्टी की एक चुनावी रैली में समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा,

‘हम एक और छोटा ‘एपिक फ्यूरी’ अभियान चला सकते हैं, या वे समझौते के लिए तैयार हो सकते हैं। अगर वे समझदार हैं, तो वे कहेंगे कि आइए, काम की बात करते हैं।’ उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति सैन्य अभियान को सफल बताते हुए तेहरान पर ऐसा समझौता स्वीकार करने का दबाव बनाए रखना चाहते हैं, जिससे

ईरान परमाणु हथियार विकसित न कर सके। हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सैन्य कार्रवाई के एक और दौर को रोकने के लिए ईरान को किन शर्तों को पूरा करना होगा।

उन्होंने कहा, ‘हमने उन्हें सैन्य, आर्थिक और अन्य सभी मोर्चों पर हथ दिया है और अब हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि यह काम पूरा हो जाए।’

इस बीच, अमेरिका के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो की चेतावनी दी है कि ईरान ने अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाने के अपने प्रयास काफी तेज कर दिए हैं। अधिकारी के अनुसार, कुछ घातक साजिशें अब उन्नत चरण में पहुंच गई हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब वाशिंगटन सऊदी अरब से अपने राजनयिकों को वापस बुला रहा है और क्षेत्र के कई अन्य देशों में स्थित अमेरिकी दूतावासों में कर्मचारियों की संख्या कम कर रहा है।

अंडमान और निकोबार कमांड ने सेवानिवृत्त हो रहे अग्निवीरों के लिए आयोजित किया योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्व केसरी■

श्री विजय पुरम। समग्र स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंडमान एवं निकोबार कमांड के नौसेना घटक ने श्री विजयपुरम में सेवानिवृत्त हो रहे अग्निवीरों के लिए एक विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम (योग कैसूल) आयोजित किया।

अंडमान और निकोबार कमांड ने एक्स पर शेयर किए एक पोस्ट में बताया कि यह सुनियोजित कार्यक्रम शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्वास्थ्य और सजगता (माइंडफुलनेस) को बेहतर बनाने पर केंद्रित था। इसका उद्देश्य अग्निवीरों को स्वस्थ, संतुलित और आत्मविश्वास के साथ नागरिक जीवन में प्रवेश करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना था।



कमांड के अनुसार, यह आठ सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष विंग, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) और अंडमान एवं निकोबार राज्य आयुष सोसायटी के सहयोग से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत आयोजित किया गया।

इससे पहले संचालन संबंधी तैयारी और क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से अंडमान एवं निकोबार कमांड के

कमांडर-इन-चीफ वाइस एडमिरल विनीत मैकार्टी ने अंडमान द्वीपसमूह के दूरस्थ क्षेत्रों (जिनमें लैंडफॉल द्वीप, ईस्ट द्वीप और आईपनएस कोहासा शामिल हैं) का दौरा किया था। अपने दौर के दौरान उन्होंने सैन्य तैयारियों का आकलन किया, क्षमता वृद्धि से जुड़ी पहलों की समीक्षा की और रसद (लॉजिस्टिक) व्यवस्था की स्थिति का निरीक्षण किया।

अंडमान और निकोबार कमांड ने एक्स पर बताया कि वाइस एडमिरल मैकार्टी ने कठिन परिस्थितियों में तैनात सैन्य कर्मियों से मुलाकात की और उनके उच्च स्तर के पेशेवर रवैये, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की सराहना की। हाल ही में कमांड ने अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के बढ़ते रणनीतिक महत्व और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) की अहमियत पर चर्चा के लिए एक सम्मेलन का भी आयोजन किया। एक्स पर जारी संदेश में कमांड ने बताया कि अपनी रजत जयंती समारोह के तहत एक ‘स्ट्रैटेजिक लोडस कॉन्क्लेव’ आयोजित किया गया, जिसमें पूर्व कमांडर-इन-चीफ और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

नवरात्रि पर एफडीए की बड़ी कार्रवाई, 12.74 करोड़ रुपए का मिलावटी और खराब खाना जब्त, 68 लाइसेंस सस्पेंड

विश्व केसरी■

मुंबई। नवरात्रि और दीपावली त्योहारों के मद्देनजर महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पूरे राज्य में बड़ी कार्रवाई की है। इस विशेष ‘त्योहारी कार्रवाई’ के दौरान लगभग 12.74 करोड़ रुपए का मिलावटी, खराब और प्रतिबंधित सामान जब्त किया गया है। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले 68 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंडे के मार्गदर्शन में यह अभियान, मुंबई, कोकण, पुणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, नागपुर और अमरावती, इन सातों डिवीजनों में चलाया गया। अभियान में सबसे चौंका देने वाला खुलासा ठाणे और पुणे जिलों में हुआ। जांच में पता चला कि नष्ट



करने के लिए भेजे गए एक्सपायर और खराब खाद्य पदार्थों को नष्ट करने के बजाय वापस बाजार में बेचा जा रहा था। इस मामले में 48.09 लाख रुपए मूल्य का 8,392 किलोग्राम स्टॉक पकड़ा गया।

एफडीए के अनुसार, संबंधित कंपनियां डिस्पोजल का पूरा रिकॉर्ड नहीं दे पाईं। इस मामले में 5 लाइसेंस निलंबित कर आपराधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं।

छत्रपति संभाजीनगर संभाग में एक ही दिन में दो कोल्ड स्टोरेज पर

कार्रवाई कर 1,97,480 किलोग्राम स्टॉक जब्त किया गया, जिसकी कीमत 4.19 करोड़ रुपए थी। इसमें मिर्च पाउडर, किशमिश, गुड़ और मक्खन शामिल था। दोनों कोल्ड स्टोरेज के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। पूरे राज्य में कुल 3,74,762 किलोग्राम और 28,297 लीटर घटिया, मिलावटी और गलत लेबल वाला स्टॉक जब्त किया गया, जिसकी कीमत 9.11 करोड़ रुपए है। इसमें खाद्य तेल, मसाले, दुग्ध उत्पाद, मिठाइयां, फरसान, चाय और सूखे मेवे शामिल थे।

प्रतिबंधित गुटखा, पान मसाला और फ्लेवर्ड तंबाकू के खिलाफ कार्रवाई में वाहनों सहित 3.15 करोड़ रुपए का सामान जब्त किया गया। इस मामले में 22 एफआईआर दर्ज कर 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

संपादकीय

फ्रांस में जनाक्रोश, व्यवस्था के सामने चुनौती



महेन्द्र तिवारी

फ्रांस वर्तमान में एक अभूतपूर्व और भीषण जन आंदोलन का सामना कर रहा है, जिसने पूरे देश के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे को हिलाकर रख दिया है। देश के विभिन्न प्रमुख नगरों की सड़कों पर 4 लाख से अधिक नागरिक अपनी ही सरकार के विरुद्ध उतर आए हैं। कुछ श्रमिक संगठनों का यह दावा है कि प्रदर्शनकारियों की संख्या इससे भी कहीं अधिक है। इस विशाल जनसमूह और लगातार बढ़ती उग्रता को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने 70 हजार सुरक्षाकर्मियों को देश भर में तैनात किया है। ये सुरक्षा बल स्थिति पर काबू पाने के लिए जल तोपों और अश्रु गैस का निरंतर उपयोग कर रहे हैं, फिर भी हालात सामान्य होते हुए नहीं दिख रहे हैं। यह आंदोलन केवल एक साधारण विरोध नहीं है, बल्कि यह वर्षों से जमा हो रहे सामाजिक असंतोष का परिणाम है जो अब एक विशाल ज्वालामुखी का रूप ले चुका है।

इस व्यापक विरोध का मूल कारण देश की चरमराती शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा है। आंदोलन की शुरुआत मुख्य रूप से विद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों ने की थी। शिक्षा क्षेत्र में संसाधनों का भारी अभाव है और शिक्षकों के रिक्त पदों को लंबे समय से नहीं भरा जा रहा है। एक चौंकाने वाले आंकड़े के अनुसार शिक्षकों के अवस्थ होने या उनके उपलब्ध न होने के कारण विद्यालयों में 1 करोड़ 50 लाख शिक्षण घंटे नष्ट हो गए हैं। इस स्थिति ने विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर क्षेत्रों के छात्रों के भविष्य पर गहरा संकट खड़ा कर दिया है। सरकार द्वारा शिक्षा कोष में की गई निरंतर कटौती ने इस आक्रोश को और अधिक भड़का दिया है, जिससे युवाओं और उनके अभिभावकों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। शिक्षा के साथ ही देश में बढ़ती महंगाई और जीवन निर्वाह की बढ़ती लागत ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। देश भर के श्रमिक, कर्मचारी और मजदूर अपने पारिश्रमिक में वृद्धि और बेहतर सेवानिवृत्ति लाभों की मांग को लेकर इस आंदोलन में कूद पड़े हैं। इस भीड़ में पीत



वस्त्र धारण करने वाले वे आंदोलनकारी भी शामिल हो गए हैं, जो पहले भी सरकार की आर्थिक नीतियों के विरुद्ध लंबे समय तक बड़े प्रदर्शन कर चुके हैं। यह पूरा घटनाक्रम वर्तमान राष्ट्र प्रमुख और उनकी सरकार के प्रति गहरे अविश्वास को दर्शाता है। जनता को लगता है कि सत्ता में बैठे लोग उनकी रोजमर्रा की आर्थिक कठिनाइयों और संघर्षों को पूरी तरह से अनदेखा कर रहे हैं।

शुरुआत में जो प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीकों से आरंभ हुए थे, उन्होंने बहुत ही कम समय में हिंसक रूप धारण कर लिया। कुछ उग्र और चरमपंथी समूहों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया और सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाया। अब तक पूरे देश में 3 हजार से अधिक दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की हिंसक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अराजक तत्वों ने सड़कों पर खड़े वाहनों को आग के हवाले कर दिया है। प्रशासन ने इस उपद्रव को रोकने के लिए कठोर कदम उठाए हैं और अब तक 1 हजार से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया जा चुका है। सुरक्षा बलों को विशेष रूप से बखराबंद वाहनों और गश्ती वायुयानों का भी सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

इस अस्थिरता का गहरा प्रभाव देश के सामान्य जनजीवन और पर्यटन व्यवस्था पर भी पड़ा है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्व प्रसिद्ध संग्रहालयों और कला केंद्रों के द्वार दर्शकों के लिए अनिश्चित काल तक बंद कर दिए गए हैं। कई संवेदनशील नगरों में रात्रि प्रतिबंध लागू कर दिए



आचार्य ललित मुनि

नवरात्रि में गाँव में रामलीला हो रही हो, कहीं मानस की चौपाइयाँ गूँज रही हों, किसी घर में दादी बच्चों को राम-सीता की कथा सुना रही हों या कोई लोकगायक अपने ढंग से रामचरित का गान कर रहा हो, इन सबके पीछे एक ऐसी कथा-परंपरा दिखाई देती है, जिसने भारत के जनजीवन में बहुत गहरी पैठ बनाई है। रामकथा लोगों के बोलने, गाने, अभिनय करने, चित्र बनाने और अपने सुख-दुःख की समझने का माध्यम भी बनी। इस परंपरा के आरंभिक और सबसे महत्वपूर्ण साहित्यिक आधार के रूप में महर्षि वाल्मीकि की रामायण का स्मरण किया जाता है।

वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है। भारतीय साहित्यिक परंपरा में उन्हें संस्कृत के प्रथम कवि और रामायण का रचयिता माना गया है। कर्ौच पक्षी के वध से उत्पन्न करुणा और उससे निकले प्रथम श्लोक की कथा उनके कवित्व से जुड़ी प्रसिद्ध परंपरा है। इस प्रसंग में एक पक्षी की पीड़ा कवि के भीतर संवेदना जगती है और वही संवेदना काव्य का रूप लेती है।

इस कथा का महत्व केवल काव्य की उत्पत्ति से नहीं जुड़ा है। यह उस दृष्टि की ओर भी संकेत करती है, जिसमें दूसरे जीव का दुःख मनुष्य को भीतर तक प्रभावित करता है।

वाल्मीकि रामायण में राम के जीवन की कथा है, लेकिन इसके भीतर तत्कालीन जीवन, परिवार, राज्य, वन, नदियों, यात्राओं और मनुष्य के व्यवहार के अनेक चित्र भी मिलते हैं। राम का वनवास केवल राजमहल से दूर जाने की घटना नहीं है। उसके साथ वनप्रदेशों, ऋषियों के आश्रमों, वन्यजीवों और अलग-अलग समुदायों से संपर्क की कथा भी चलती है। यही कारण है कि रामायण को केवल धार्मिक आख्यान मानकर छोड़ देना उसके व्यापक साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व को सीमित कर देना होगा।

वाल्मीकि रामायण के बाद राम की कथा अनेक भाषाओं और साहित्यिक परंपराओं में कही गई। तमिल में कंबन की रामायण, अवधी में गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस और बंगाल, असम, ओडिशा सहित देश के अनेक क्षेत्रों की रामायण परंपराएँ इसके उदाहरण हैं। इन रचनाओं में मूल कथा के साथ स्थानीय समाज की मान्यताएँ, धार्मिक दृष्टि और सांस्कृतिक अनुभव भी जुड़े। इसलिए अलग-अलग रामायणों में कुछ प्रसंगों, पात्रों और घटनाओं के वर्णन में अंतर मिलता है। यह अंतर इस परंपरा की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है।

महर्षि वाल्मीकि जयंती विशेष

आदिकवि वाल्मीकि और लोकजीवन में रामकथा



प्रसंग सुनाता है, कहीं लोकगायक कथा को गीत में बदल देता है।

रामकथा जब लोकजीवन में पहुँची तो उसने ग्रंथ से बाहर निकलकर प्रदर्शन के माध्यम अपना लिए। कहीं रामलीला के मंच पर राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान के पात्र जीवित हो उठते हैं, कहीं कथावाचक घंटों तक

कठपुतली, छाया नाटक, नृत्य-नाटिका और चित्रकला में भी रामकथा के प्रसंग मिलते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि रामकथा को अलग-अलग कलाओं में समाज के मूल्य दिखाई देते हैं। कई जनजातीय परंपराओं में

कहीं लक्ष्मण की भूमिका अधिक प्रमुख हो जाती है, कहीं सीता के चरित्र और रावण-वध के प्रसंग का अलग वर्णन मिलता है। इन कथाओं को केवल मूल ग्रंथ से तुलना करके कमतर मानना उचित नहीं होगा। वे अपने समुदाय की स्मृति, अनुभव और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का हिस्सा हैं।

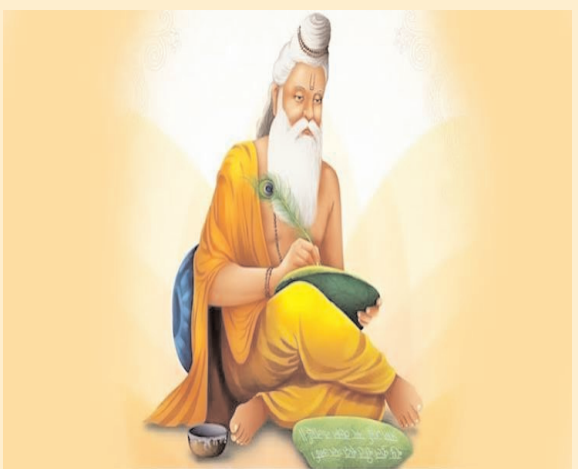
छत्तीसगढ़ के संदर्भ में रामकथा का एक विशिष्ट पक्ष है। दक्षिण कोसल की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति और राम के वनगमन से जुड़ी स्थानीय परंपराओं ने यहाँ अनेक स्थलों को रामकथा से जोड़ा है। रामनामी समुदाय की परंपरा भी इस संबंध में उल्लेखनीय है। इस समुदाय में रामनाम का शरीर पर गोदना, भजन और सामूहिक गायन धार्मिक आस्था की विशिष्ट अभिव्यक्ति बन गए हैं। यहाँ राम केवल कथा के नायक नहीं, जीवन में धारण किए जाने वाले नाम हैं। रामनामी परंपरा यह भी बताती है कि लोकसमाज किसी धार्मिक विचार को अपने विशिष्ट रूप में कैसे जीता है।

रामकथा का प्रसार केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रहा। परिवारों में बच्चों को सुनाई जाने वाली कथाओं से लेकर मेलों और उत्सवों में होने वाले मंचन तक, इसने पीढ़ियों के बीच संवाद का रास्ता बनाया। दशहरे पर रावण-दहन, रामलीला के आयोजन और रामायण पाठ जैसे अवसरों पर लोग एकत्र होते हैं। इन आयोजनों में धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता भी जुड़ती है।

रामकथा के प्रसंग प्रचलित कथाओं से अलग रूप लेते हैं।

बोध कथा

महर्षि वाल्मीकि की प्रेरणा



महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर हमें उनके जीवन से सीख मिलती है कि ईसान अपने कर्मों और विचारों से बदल सकता है।

प्राचीन समय में रत्नाकर नाम का एक व्यक्ति गलत रास्ते पर चल पड़ा था। एक दिन उसकी मुलाकात महर्षि नारद से हुई। नारद जी ने उससे पूछा कि जिन परिवार के सदस्यों के लिए वह गलत काम करता है, क्या वे उसके पापों में भी भागीदार

बनेंगे? इस प्रश्न ने रत्नाकर की आंखें खोल दीं। उसने अपने जीवन को बदलने का संकल्प लिया और कठोर तपस्या की। आगे चलकर वही रत्नाकर महर्षि वाल्मीकि बने और उन्होंने महान ग्रंथ रामायण की रचना की।

शिक्षा: कोई भी व्यक्ति अपने अतीत से नहीं, बल्कि अपने वर्तमान कर्मों से महान बन सकता है। सच्चा पश्चाताप और दृढ़ संकल्प जीवन की दिशा बदल सकते हैं।

उग्र में जब जिद पर आ गए गांधीजी!

राकेश अचल

गांधीजी यानी राहुल गांधी जिद पर आ गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से 200 सीटें मांगी हैं। इतनी सीटें अखिलेश यादव रेंगे या गठबंधन टूट जाएगा, कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस की इस मांग ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल जरूर खड़ा कर दिया है—क्या कांग्रेस अपनी चुनावी ताकत से ज्यादा सीटें मांग रही है, या राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को फिर से खड़ा करने के लिए बड़ा दांव खेल रहे हैं?

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अकेले मैदान में उतरी थी। नतीजा यह हुआ कि 403 सीटों वाली विधानसभा में उसके हिस्से में आई सिर्फ दो सीटें। इससे पहले 2017 में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके भी कांग्रेस केवल सात सीटें जीत पाई थी लेकिन राजनीति में पुरानी हारों का हिसाब हमेशा वर्तमान की महत्वाकांक्षाओं को नहीं रोकता.

बात वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की करना जरूरी है.इस चुनाव के नतीजों ने कांग्रेस को नया आत्मविश्वास दिया. समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतीं और कांग्रेस को छह सीटों पर कामयाबी मिली. दोनों ने मिलकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका दिया और भाजपा का अश्वमेध खूटे से बांध दिया.भाजपा 400 पार नहीं कर सकी,उल्टे भाजपा को टीडीपी और जेडीयू की बैशाखी लगाकर सरकार बनाना पड़ी.

कांग्रेस का तर्क है कि जब लोकसभा में दोनों पार्टियां मिलकर भाजपा को चुनौती दे सकती हैं, तो विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन को सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए.

बात में दम है. मगर सवाल यह है कि सम्मानजनक हिस्सेदारी आखिर कितनी?175 से 200 सीटें? यानी विधानसभा की लगभग आधी सीटें.

अब जरा अखिलेश यादव की स्थिति भी समझिए। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस से कहीं बड़ी चुनावी ताकत है. उसके पास अपना संगठन है, अपना सामाजिक आधार है और 2024 के लोकसभा चुनाव की सफलता भी है.ऐसे में कांग्रेस की सूची देखकर सपा के नेताओं के माथे पर बल पड़ना स्वाभाविक है। उनका कहना है कि सीटें मांगने से नहीं, जीतने की क्षमता से मिलनी चाहिए.और यह बात कांग्रेस को भी समझनी होगी.

लेकिन गांधीजी यानी राहुल गांधी के लिए यह सिर्फ सीटों का सवाल नहीं है.कांग्रेस अगर उत्तर प्रदेश में फिर से अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, तो उसे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की महत्वाकांक्षा रखनी ही होगी.यही इस विवाद का असली पेच है.

कांग्रेस को अधिक सीटें चाहिए ताकि वह अपना संगठन खड़ा कर सके.सपा को ऐसी सीटें चाहिए जहां गठबंधन का उम्मीदवार भाजपा को हरा सके.दोनों का लक्ष्य भाजपा को सत्ता से हटाना बताया जा रहा है, लेकिन उस लक्ष्य तक पहुंचने का रास्ता दोनों अपने-अपने हिसाब से तय करना चाहते हैं.

तो क्या गठबंधन टूट जाएगा? अभी ऐसा निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी.सीटों की सूची सौदेबाजी की शुरुआत ही हो सकती है. राजनीति में पहले बड़ी मांग रखना और फिर बातचीत के बाद बीच का रास्ता निकालना कोई नई बात नहीं है.

लेकिन अगर कांग्रेस ने संख्या को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया और समाजवादी पार्टी ने अपनी ताकत के आगे किसी तरह का समझौता करने से इनकार कर दिया, तो मुश्किल

जरूर बढ़ेगी.

याद रखिए, उत्तर प्रदेश में भाजपा को चुनौती देने के लिए विपक्षी एकता महज नारा नहीं, चुनावी जरूरत भी है.

इसलिए राहुल गांधी को सोचना होगा कि उन्हें सीटों की बड़ी संख्या चाहिए या भाजपा को हराने वाला मजबूत गठबंधन।

और अखिलेश यादव को भी तय करना होगा कि कांग्रेस को कितनी जगह देकर गठबंधन की ताकत बढ़ाई जा सकती है.

क्योंकि चुनाव में जिद से सुर्खियां तो मिल सकती हैं, सीटें नहीं. फिलहाल उत्तर प्रदेश की राजनीति में सवाल यही है—गांधीजी अपनी जिद पर अड़े रहेंगे, या अखिलेश यादव के साथ बैठकर कोई बीच का रास्ता निकालेंगे?

फैसला अभी बाकी है. और इस फैसले का असर सिर्फ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर नहीं, 2027 में उत्तर प्रदेश की पूरी चुनावी लड़ाई पर पड़ सकता है.संतोष की बात ये है कि कांग्रेस की मांग पर अभी अखिलेश यादव बौखलाए नहीं हैं.इससे लगता है कि वे किसी भी कीमत पर कांग्रेस से अपना गठबंधन टूटने नहीं देंगे.

व्यंग्य केसरी

जूते को रहने दो !



गिरीश पंकज

हमारे देश में कुछ नेता निरन्तर प्रगति कर रहे हैं । पहले उन पर चप्पल फेंके जाते थे, अब जूते। समझदार किस्म के विद्रोही लोग ‘टुच्चत्व’ प्राप्त नेताओं की भी गरिमा का पूरा ध्यान रख रहे हैं। मारना है तो जूते मारो न । सस्ती चप्पल क्या चलाना। लेकिन चिंता की बात ये है कि लोकवाग निशाना सही नहीं लगा पा रहे। यहाँ पर अपना इंडिया

मार खा रहा है। लोग फेंकते हैं नेताओं पर, लेकिन गिरता है चमचों पर। बेचारे चमचों की ‘बेइज्जती खराब’ हो जाती है. कमजोर निशाने के कारण ही तो हम लोग निशानेबाजी की विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पिछड़ रहे हैं। छी। वैसे लोग नेताओं पर जूते चप्पल फेंक- फेंक कर अभ्यास तो निरन्तर कर रहे है। उन्हें पक्का विश्वास है कि वे होंगे कामयाब एक दिन। उस दिन जब नेता जूता खाते-खाते बचा तो मुस्करा कर चमचों की ओर निहारा और बोला, ‘‘देखा, कैसे बचा. यही है राजनीति। इससे क्या सबक मिला, बताओ?’’ एक चमचा बोला, ‘‘सो –सो खाय तमाशा घुस के देखो वाली कहावत तो सुनी है, लेकिन जूते खाने से बचने के सबक को हम अभी समझ नहीं पाए हैं.’’ नेता ने कहा, ‘‘सीधी-सी बात, कब कभी जूता-भक्षण की नीबत आए तो अपने

किसी चमचे को आगे कर दो. मेरे इस बचाव को देख लो. कल जब तुम मेरी तरह बड़े नेता बन कर जूते-चप्पल खाने की नीबत तक पहुँचोगे तो इस सबक को याद रखना। भाषण देते समय कमांडो की तरह नजर चौकस रखो. क्या पता, कब कोई सरफिरा टाइप का जीव जूते-चप्पल या सड़े अंडे-टमाटर वगैरह फेंक दे।’’ चमचे ने पूछा – नेताजी,ऐसी नीबत ही क्यों आती है ? क्या बिना जूते खाए राजनीति में कोई सफल नही हो सकता? आए दिन यही सुनते हैं कि उसे पड़ी, इसे पड़ी. मुझे तो डर लगने लगा है. पिछले दिनों घरवाली ने हड़का दिया है कि राजनीति में चमचे बन कर घुस तो गए हो, मगर जिस दिन जूते खा कर घर आओगे, तो मैं मैके चली जाऊंगी, तुम देखते रहियो।। आपके कारण आज मुझे पड़ गई, पड़नी थी आपको। अब घर जाकर पत्नी को क्या मुंह दिखाऊंगा। अगर

जूते वाला चित्र कहीं छप गया तो घर पर न जाने कितनी बार ‘चप्पलानन्द’ मिलेगा, कह नहीं सकता.’’ नेताजी हँस कर बोले, ‘‘अरे भोले, राजनीति में आगे बढ़ना है तो जूते, चप्पल आदि के वार से क्या डरना। ये सब तो राजनीति से ‘साइड इफेक्ट’ हैं पगले. सेना के जवान सीमा पर लड़ कर वीरगति को प्राप्त होते हैं, मगर हमारे जैसे महान नेता को एक-न-एक दिन ‘जूतागति’ को प्राप्त होना ही पड़ता है। अपनी-अपनी किस्मत. लेकिन जैसे सब्र का फल मीठा होता है, उसी तरह राजनीति में पिटते रहने का फल भी मिलता है। एक दिन वो बहुत बड़ा नेता बन जाता है। महान कवि चुरकुट जी कहते हैं – जूता –चप्पल खाय के, हो नेता सम्मान, जो न इसको पात है, वो न बने महान’’. नेता की बात सुनकर चमचे की जिज्ञासा शांत हुई और वह नेता जिंदाबाद करने लगा.

इतिहास

- 1858: एच.ई. स्मिथ ने वॉशिंग मशीन के पेटेंट के लिए आवेदन किया।
- 1905: नॉर्वे ने स्वीडन से अलग होने की प्रक्रिया में स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1934: महात्मा गांधी के संरक्षण में अखिल भारतीय ग्रामीण उद्योग संघ की स्थापना हुई।
- 1947: जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए।
- 1951: विंस्टन चर्चिल दूसरी बार ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1962: भारत-चीन युद्ध के दौरान भारत में आपातकाल की घोषणा की गई।
- 1994: इजरायल और जॉर्डन के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर हुए।
- 2001: अमेरिका में पैट्रियट एक्ट कानून बना।

सरगांव में टीएस सिंहदेव का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

बोले: हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही सरकार, हाफ बिजली योजना बंद होने और स्मार्ट मीटर के भारी बिल से जनता परेशान

विश्व केसरी■ मुंगेली/सरगांव (रवि शुक्ला)। छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव एक दिवसीय प्रवास पर जिले के सरगांव पहुंचे। इस दौरान साहू समाज भवन में नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। सिंहदेव के आगमन से स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मुस्लिम समाज,यदव समाज,आदिवासी समाज सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों और कांग्रेस के अन्य नेताओं से भेंट-मुलाकात कर क्षेत्र की राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की। इस अवसर पर टीएस सिंहदेव ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर असफल साबित हो रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है, जिसके चलते लगातार घटनाओं में



वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान, व्यापारी, महिलाएं और समाज के विभिन्न वर्ग लाभान्वित हुए थे। उन्होंने कहा कि हाफ बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। बिजली बिल में मिलने वाली राहत से मध्यमवर्गीय परिवारों और घरेलू उपभोक्ताओं को अपने खर्चों का प्रबंधन करने में मदद मिलती थी। सिंहदेव ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद सबसे पहले हाफ बिजली योजना को बंद किया गया और घर-घर स्मार्ट मीटर लगाए गए। उन्होंने

वर्तमान परिस्थितियों को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। रोहित शुक्ला बोले:वरिष्ठ नेताओं के आगमन से कार्यकर्ताओं में बढ़ता है उत्साह नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने टीएस सिंहदेव का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का आगमन पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी होता है। इससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विचारधारा जनहित,सामाजिक समरसता और आम जनता के अधिकारों की रक्षा पर आधारित है। रोहित शुक्ला ने विश्वास जताया कि आने वाला समय कांग्रेस के लिए अनुकूल होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने तथा जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा सरकार की नीतियों और जनसमस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए सभी

कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ जुटे हुए हैं। विभिन्न समाजों और कांग्रेस नेताओं से की मुलाकात सरगांव प्रवास के दौरान टीएस सिंहदेव ने विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस भेंट-मुलाकात को क्षेत्र में सामाजिक संवाद और कांग्रेस संगठन के कार्यकर्ताओं से संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साहू समाज भवन में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया और संगठन से जुड़ी गतिविधियों में अपनी सहभागिता दिखाई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय कांग्रेस नेताओं को वरिष्ठ नेतृत्व के साथ संवाद करने का अवसर मिला। इस अवसर पर पूर्व विधायक चंद्रभान बारमेते, पूर्व विधायक सियाराम कौशिक, पंकज सिंह, एजाज खोखर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष दीपक गुप्ता, देवेंद्र वैष्णव, असद खोखर, सुरेंद्र, जैताराम खांडे, नीरज यादव सहित अन्य कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में कृषि एवं संबद्ध विभागों की हुई संभागीय बैठक

विश्व केसरी■ बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। राज्य शासन के कृषि उत्पादन आयुक्त एवं कृषि सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कृषि एवं संबद्ध विभागों की संभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ वर्ष 2026 के अंतर्गत संचालित कृषि गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी रबी वर्ष 2026-27 के कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए खेती-किसानी के साथ कृषकुटुपालन, मछलीपालन, बकरीपालन और उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने विभागीय



अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्ययोजना तैयार कर योजनओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ सीजन के दौरान हुई प्रगति की समीक्षा के साथ रबी सीजन की तैयारियों पर चर्चा किया गया। कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर निर्धारित कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने

कहा कि खरीफ सीजन में बिलासपुर संभाग में अच्छा कार्य हुआ है, जिसमें सम्भाग के सभी जिलों का भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि रबी सीजन में भी इसी तरह हम सबको सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा, ताकि निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हो सके। उन्होंने कृषि एवं संबद्ध विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर शासन की योजनाओं का लाभ किसानों तक समय पर पहुंचाने पर जोर दिया।

कलेक्टर के निर्देश पर राजस्व अमला सक्रिय, गांवों में गिरदावरी व डिजिटल क्रॉप सर्वे का सत्यापन

बलरामपुर (आफताब आलम)। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर जिले में फसल गिरदावरी और डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में शंकरगढ़ तहसील के ग्राम नावाडीह एवं डीपाडीहखुर्द तथा ग्राम कृष्णनगर (धमनी) में राजस्व अमले ने खेतों में पहुंचकर गिरदावरी की, वहीं विकासखंड वाड़फनगर की रघुनाथनगर तहसील के ग्राम बलंगी और गैना में डिजिटल क्रॉप सर्वे का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान खेतों में बोई गई फसलों का मिलान अभिलेखों में दर्ज प्रविष्टियों से किया गया। सटीक फसल रिकॉर्ड के किसानों को समर्थन मूल्य पर धान विक्रय सहित शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। जिला प्रशासन द्वारा यह कार्य समय-सीमा में त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण कराने के लिए नियमित निगरानी की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव की पहल से नांदघाट-मुंगेली फोरलेन निर्माण ने पकड़ी रपतार

विश्व केसरी■ मुंगेली (रवि शुक्ला)।जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने और आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नांदघाट-मुंगेली राज्य राजमार्ग क्रमांक-10 के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के साथ फोरलेन निर्माण के लिए 13,834 लाख रुपये अर्थात 138 करोड़ 34 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार स्वीकृत इस परियोजना के तहत कुल 36.40 किलोमीटर लंबे मार्ग का उन्नयन किया जाएगा। इस कार्य से क्षेत्र में सड़क सुविधाओं के विस्तार के साथ यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नांदघाट-मुंगेली मार्ग लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के लिए आवागमन का एक



महत्वपूर्ण मार्ग रहा है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन,यात्री तथा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोग आवागमन करते हैं। पूर्व में सड़क की स्थिति अत्यधिक जर्जर होने के कारण वाहन चालकों और यात्रियों के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता था। आवागमन प्रभावित होता था,बल्कि यात्रा में खराब स्थिति से न केवल लोगों को लाभ मिल सकता है।

जुड़ी कठिनाइयां भी बढ़ जाती थीं। जर्जर सड़क से मिलेगी राहत,बढ़ेगी आवागमन की सुविधा सड़क की स्थिति और क्षेत्र में बेहतर आवागमन की आवश्यकता को देखते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा इसके चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण की योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। 36.40 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को फोरलेन के रूप में विकसित करने का उद्देश्य सड़क की क्षमता बढ़ाना,यातायात एवं मजबूतीकरण को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना है। फोरलेन सड़क विकसित होने से वाहनों की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही सड़क की चौड़ाई बढ़ने और संरचना मजबूत होने से नियमित यात्रियों, स्थानीय नागरिकों,वाहन चालकों तथा व्यापारिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है।

चिरमिरी सुपर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ उद्घाटन मैच में रॉयल चैलेंजर्स बरतूंगा ने मारी बाजी



विश्व केसरी■ चिरमिरी (राजेश उपाध्याय)।चिरमिरी के हल्दीबाड़ी स्थित हीरागिरि ग्राउंड में आईपीएल की तर्ज पर रोमांचक 'चिरमिरी सुपर लीग' क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हो गया है। इस महामुकाबले में कुल 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो आईपीएल की तर्ज पर ही आपस में भिड़ेंगी और इसके बाद फाइनल मुकाबला भी आईपीएल की पद्धति पर ही आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बरतूंगा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की है। टूर्नामेंट के इस शानदार शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय पुरुषोत्तम

सोनकर रहे तथा अध्यक्षता विनोदश्वर शरण सिंहदेव ने की। इसके साथ ही समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में राजू नायक, डमरू बेहरा, मनोज डे, संजय सिंह, बबलू शर्मा, नरेन्द्र साहू, रीत जैन, गोमती द्विवेदी, पूर्वा स्थापक, अश्विनी अरोरा (कल्लू), पूजा, देवकरण, बाबी, भागवत, अनुसुईया, श्रीपत राय, के. डोंमरू रेड्डी, गायत्री बिरहा, सुभाष कश्यप, कंकटेश, अल्लू केसरवानी, भोम प्रकाश गुप्ता, अनीश, माधुरी कश्यप और इम्तियाज (गुदड़) उपस्थित रहे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में रमा शंकर मिश्रा, नितिन सिंह, नौशाद, प्रदीप विश्वास, अलोक विश्वास, नीटू चाचा, नवीन साहा और चन्दन गुप्ता ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

सवती में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस मनाया गया

विश्व केसरी■ सक्ती (ईश्वर लोधी)।प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 24 अक्टूबर को सर एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक के जन्मदिवस के अवसर पर मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस मनाया जाता है कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ एन के सिदार, खंड चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती, एवं डॉ अभिषेक कुर्गे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुरदा, डॉक्टर नीलांबर कंवर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोश्ता एवं डॉक्टर प्रियंका सिदार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मसनियांकला उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत सर एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना करके शुभारंभ किया गया। डॉ एन के सिदार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट की अहम भूमिका रहती है क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में किसी भी बीमारी को पहचान के लिए टेक्नोलॉजिस्ट दिवस के रूप में हम मनाते के आधार पर ही किसी बीमारी को सही डायग्नोसिस कर उचित इलाज करना



संभव हो पाता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी डॉक्टरों ने एम एल टी दिवस की शुभकामनाएं दी। रवि शंकर श्रीवास द्वारा जानकारी दी गई की सर एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक कैसे एक कपड़ों के व्यापारी ने एक वैज्ञानिक बनने तक का सफर तय किया और वह कैसे माइक्रोस्कोप एवं माइक्रोबायोलॉजी के जनक कहलाए और आज उनके जन्म दिवस को मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट दिवस के रूप में हम मनाते हैं। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में केक काटकर खुशियां मनाई गई।आयोजित

कार्यक्रम में लक्ष्मी प्रसाद बघेल , कमलेश चंद्रा, सीमा साहू, प्रभा कंवर, योगिता, खुशबू, सुभाषनी, संजय बंजारे, हितेश्वर प्रसाद सिदार, प्रयागराज, अनिल सिदार, रवि शंकर श्रीवास, निलेश, आशीष,फलक बानो , नैना, अनोषा , कन्हैया, उषा, गंगा, अंजुलता, सन्नी, जयराम, रुपेश, त्रिभुवन, आकाश, राकेश, तुलसी, चैतन्य, शिवगंगा, राजेश्वरी एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी कैडरो के अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थित मे कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

जिले में 14 नए केंद्रों के साथ अब 154 उपार्जन केंद्रों में होगी धान खरीदी

विश्व केसरी■ बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। लिए उपार्जन केंद्रों का विस्तार कर रही है। किसानों को धान का प्रति किलोमीटर दूर जाने की परेशानी से अब ग्राम सरसेनी सहित बकरकुदा और मटिया के किसानों को राहत मिलेगी। जिले के मस्सुरी विकासखंड की ग्राम पंचायत सरसेनी में इस खरीफ सीजन से नया धान खरीदी केंद्र खोला जा रहा है। केंद्र से तीनों गांवों के 784 किसानों को नजदीक में ही धान बेचने की सुविधा मिलेगी। इनमें 766 पुराने और लगभग 18 नए पंजीकृत किसान शामिल हैं। क्षेत्र के अधिकांश किसान छोटे कृषक हैं, जिनके लिए परिवहन खर्च में कमी के साथ उन्हें बड़ी राहत होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने

के साथ ही धान बिक्री की सुविधा उनके नजदीक उपलब्ध कराने के लिए उपार्जन केंद्रों का विस्तार कर रही है। किसानों को धान का प्रति किलोमीटर दूर जाने की परेशानी से अब ग्राम सरसेनी सहित बकरकुदा और मटिया के किसानों को राहत बनाए गए हैं। जिले के 140 पुराने और 14 नए केंद्रों को मिलाकर अब कुल 154 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जाएगी। इससे किसानों की दूरी घटेगी और धान परिवहन में लगने वाले खर्च तथा समय की बचत होगी। ग्राम पंचायत सरसेनी की सरपंच आंचल नारायण सोलंके ने बताया कि सरसेनी के किसानों को अब तक धान बेचने के लिए लगभग आठ किलोमीटर दूर जैतपुर जाना पड़ता था। छोटे किसानों को अपनी सीमित उपज ले जाने के लिए भी गाड़ी किराए पर करनी पड़ती थी।

नई योजना की चकाचौंध में दम तोड़ती पुरानी योजना, छत्तीसगढ़ में मनरेगा का करोड़ों का भुगतान लंबित

विश्व केसरी■ सक्ती (ईश्वर लोधी)।देश भर में 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को बंद कर उसके स्थान पर एक नई ऐतिहासिक व्यवस्था 'विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन' (वीबी-जी राम जी एक्ट) को लागू कर दिया गया है। केंद्र और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस नई योजना के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, जिसमें मजदूरों की दिहाड़ी 261 रुपए से बढ़ाकर 300 रुपए करने और 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के सुनिश्चित रोजगार की बात कही गई है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक कड़वी सच्चाई यह है कि राज्य के कई पंचायतों में पुरानी मनरेगा योजना के तहत मजदूरी

भुगतान तो कर दिया गया है परंतु कार्य में प्रयुक्त सामग्री जो लगाई गई है उस सामग्री का भुगतान लंबे समय से लंबित पड़ा हुआ है, जिस पर छत्तीसगढ़ शासन ध्यान नहीं दे रही है। नई योजना का स्वागत, पर पुराने हक का क्या ? नियमों के मुताबिक, विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण विकास के लिए करोड़ों रुपये का अंतरिम आवंटन तो किया गया है, लेकिन ग्राम पंचायतों में पूर्व में मनरेगा के तहत कराए गए कार्यों की सामग्री का भुगतान अधर में लटका हुआ है। कई जिलों में फंड की अनुपलब्धता या प्रशासनिक उदासीनता के कारण पुरानी फाइलें बंद होने की कगार पर हैं, जिससे दीपावली और त्योहारों के इस सीजन



में कई घरों में मायूसी छाई हुई है। चूंकि कार्य की जिम्मेदारी सरपंचों के ऊपर रहती है इसलिए सरपंच बाजार से अपनी जिम्मेदारी पर सामग्री क्रय

करते हैं जिसका भुगतान भी उन्हीं को करना पड़ता है। सरपंचों का कहना है कि हमने बाजार से उधार लेकर कार्य संपन्न करा दिया है मगर हमको

शासन के द्वारा अभी तक सामग्री के बिल का भुगतान नहीं किया गया है। त्योहार के इस समय व्यापारी घर पर आकर पूरे गांव के सामने तकादा

मार रहे हैं जिससे अग्रिय स्थिति निर्मित हो रही है। शासन की अनदेखी से आक्रोश ग्रामीण क्षेत्रों से आ रही खबरों के मुताबिक, ग्राम पंचायतों के अधिकारियों का कहना है कि सरकार नई योजना के तहत 7 से 15 दिनों के भीतर सिधे बैंक खातों में भुगतान हो देरी होने पर अतिरिक्त व्यय या बेरोजगारी भत्ता देने का वादा कर रही है, जो कि कागज़ों और भाषणों में बहुत आकर्षक है। परंतु हकीकत यह है कि उनके पुराने पसीने की कमाई तथा भुगतान महीनों से शासन के पास अटकती हुई है। इस गंभीर विषय पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी चिंता जताई है। उनका आरोप है कि छत्तीसगढ़ शासन

नई योजना का ढिंढोरा पीटने में इतनी व्यस्त है कि उसे लंबित भुगतानों को क्लियर करने की सुध ही नहीं है। अधर में लटकने निर्माण कार्य भुगतान न होने के कारण पंचायत स्तर पर पूर्व में स्वीकृत तालाब गहरीकरण, सुदूर सड़क और कूप निर्माण जैसी कई पुरानी बुनियादी ढांचा योजनाएं भी बीच में ही रुक गई हैं। सरपंचों और रोजगार सहायकों का कहना है कि जब तक पुराना बकाया नहीं मिलेगा, तब तक गांवों में नई 'जी राम जी योजना' की सुचारू रूप से धरातल पर उतारना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। अब देखना यह होगा कि छत्तीसगढ़ शासन कब नौद से जागती है और इन गरीब मजदूरों के हक का लंबित भुगतान कर उन्हें राहत पहुंचाती है।

जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक 27 को

बिलासपुर। जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से कलेक्टोरेट स्थित मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक समय-सीमा की बैठक के उपरांत होगी। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया जाएगा। पूर्ण एवं हस्तान्तरित हर घर जल योजनाओं के भुगतान तथा चालित देयकों के भुगतान की स्वीकृति संबंधी विषय रखे जाएंगे। इसके साथ ही राज्योत्सव की थीम 'नारी शक्ति-युवा उड़ान' से संबंधित विभागीय मॉडल के प्राक्कलन की स्वीकृति और अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

मार्केट आउटलुक: फेड बैठक, तिमाही नतीजों और कच्चे तेल से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी ■
मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान फेड बैठक, तिमाही नतीजों, कच्चे तेल की कीमते औरअमेरिका-ईरान तनाव बाजार की चाल निर्धारित करेंगे।

ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 27-28 अक्टूबर होगी। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है जब कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक स्तर पर अस्थिरता से कारण महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। इस बैठक के फैसलों का ऐलान 28 अक्टूबर को किया जाएगा, जिस पर दुनियाभर के निवेशकों की निगाहें टिकी हुई हैं।

इसके अलावा, अमेरिका-ईरान तनाव भी बाजार के लिए काफी अहम होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी ईरान पर नई एयर स्ट्राक्स को लेकर बयान दे चुके हैं। इससे कच्चे तेल भी ऊपरी स्तरों पर बना हुआ है। अगले हफ्ते बाजार में यह फैक्टरस अहम भूमिका निभाएंगे।



इसके अलावा, 26-30 अक्टूबर के कारोबारी सत्र में कई बड़ी कंपनियां नतीजे जारी करेंगी। इंडियन ओवरसीज बैंक, महाराष्ट्र बैंक, मैनकाइंड, पेटीएम, एनडीटीवी, टाटा कंज्यूमर, एसीसी, बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू सीमेंट,

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा, एलएंडटी, सेल, टाटा कैपिटल, अदाणी एटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता काफी नुकसान वाला रहा। इस दौरान ऑटो, मारुति सुजुकी, जेएसडब्ल्यू सीमेंट, लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 3,329.10 अंक या 5.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 55,800.65 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 1,390.35 अंक या 7.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,739.45 पर था। सूचकांकों में सबसे ज्यादा गिरावट डिफेंस में देखी गई। निफ्टी इंडिया डिफेंस 7.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप लूजर था। निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरैबल्स 6.42 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 5.40 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 5.15 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 5.04 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 4.62 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 4.34 प्रतिशत और निफ्टी पीएसई 3.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

महंगे कच्चे तेल का असर! विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 53,337 करोड़ रुपए इक्विटी से निकाले

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। कच्चे तेल के बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर रहने से विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार में रुझान बिकवाली का बना हुआ है और वे लगातार इक्विटी से पैसे निकाल रहे हैं। यह बयान एनालिस्ट की ओर से रविवार को दिया गया।

अक्टूबर में अब तक एफपीआई (फरिन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स) की कुल बिक्री 53,337 करोड़ रुपए रही है। हालांकि, इस दौरान एफपीआई ने भारतीय आईपीओ बाजार में 5,281 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा, 'इस साल एक्सचेंजों के जरिए एफपीआई की कुल बिकवाली 3,69,164 करोड़ रुपए रही।' निवेश प्रवाह के मोर्चे पर, एफपीआई लगातार 10वें हफ्ते



शुद्ध बिकवाल बने रहे। 23 अक्टूबर को समाप्त हुए हफ्ते में, एफपीआई ने अपनी बिकवाली काफी कम कर दी और दो दिन तो वे खरीदार भी बन गए।

यूसू बॉन्ड यील्ड में नरमी (10-साल की यील्ड का 5.36 प्रतिशत से घटकर लगभग 5 प्रतिशत पर आना), डॉलर के मुकाबले रुपए का मजबूत होकर 94.94 पर पहुंचना, और खास तौर

पर लार्ज-कैप शेयरों का कम वैल्यूएशन - इन सभी कारकों ने एफपीआई की बिकवाली को कम करने में मदद की है।

आगे चलकर, एफआईआई की बिकवाली में लगातार कमी आना थोड़ी राहत की बात है, हालांकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और व्यापक बाजार में भारी कमजोरी अभी भी गिरावट का जोखिम बनाए हुए हैं। इस हफ्ते

25,000 रुपए की मासिक एसआईपी या 5 लाख रुपए का लंपसम निवेश, 20 साल में किससे बनेगा ज्यादा फंड?

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के मन में अक्सर यह सवाल रहता है कि एक साथ बड़ी रकम निवेश करना बेहतर है या हर महीने थोड़ी-थोड़ी राशि लगाना। दोनों तरीकों के अपने फायदे और जोखिम होते हैं। अगर आपके पास 5 लाख रुपए हैं, तो आप इस रकम को एकमुश्त निवेश कर सकते हैं। वहीं, नियमित आय होने पर 25,000 रुपए की मासिक एसआईपी भी शुरू कर सकते हैं। लेकिन 20 साल में किस विकल्प से कितना बड़ा निवेश फंड बन सकता है? चलिए कैलकुलेशन के जरिए समझते हैं।

एकमुश्त निवेश का मतलब है कि आप अपनी पूरी रकम एक ही बार में म्यूचुअल फंड में लगा देते हैं। इस तरीके में शुरुआत से ही पूरी राशि निवेशित रहती है और उसे लंबे समय तक बाजार में बढ़ने का



अवसर मिलता है। हालांकि, अगर निवेश के समय बाजार ऊंचे स्तर पर हो और उसके बाद गिरावट आए, तो आपको शुरुआती वर्षों में नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। मान लीजिए कि आप किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में 5 लाख रुपए का एकमुश्त निवेश करते हैं और अगले 20 साल तक आपको सालाना औसतन 12 प्रतिशत का रिटर्न मिलता है। इस स्थिति में आपका निवेश बढ़कर लगभग 48.23 लाख रुपए हो सकता है।

लंबे समय में बड़ा निवेश कोष बनाने का प्रयास किया जाता है। नियमित वेतन या कारोबार से आय प्राप्त करने वाले लोगों के लिए यह तरीका सुविधाजनक हो सकता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान एसआईपी के जरिए अलग-अलग कीमतों पर फंड की इकाइयां खरीदी जाती हैं, जिससे निवेश की औसत खरीद लागत को संतुलित करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इससे नुकसान से बचने या निश्चित रिटर्न मिलने की गारंटी नहीं होती। अब मान लीजिए कि आप हर महीने 25,000 की एसआईपी शुरू करते हैं और 20 साल तक इसे जारी रखते हैं। इस दौरान आपका कुल निवेश 60 लाख रुपए होगा। वहीं अगर आपको सालाना औसतन 12 प्रतिशत का अनुमानित रिटर्न मिलता है, तो आपका निवेश कोष लगभग 2.49 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घटा

विश्व केसरी ■
मुंबई। पिछले सप्ताह भारत की 10 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसकी वजह शेयर बाजार में बढ़े स्तर पर बिकवाली होना था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।



छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों पर भारी दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी में 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

व्यापक बाजार में कमजोरी का असर दिखाते हुए बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20.79 लाख करोड़ रुपए घट गया। यह 16 अक्टूबर के 472.62 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 451.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया।

शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में कुल 1,55,671.9 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ऐसी दो कंपनियां रहीं, जिनके बाजार पूंजीकरण में सप्ताह के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 55,506.95 करोड़ रुपए घटकर 10.67 लाख करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान बैंक के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई।

बजाज फाइनेंस बाजार पूंजीकरण में गिरावट के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। कंपनी का मूल्यंकन 34,180.51 करोड़ रुपए घटकर 5.77 लाख करोड़ रुपए रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 27,065.08 करोड़ रुपए घटकर 16.10 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख (एलआईसी) का मूल्यंकन 21,062.24 करोड़ रुपए घटकर 4.81 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल का बाजार

पूंजीकरण 9,360.75 करोड़ रुपए घटकर 11.79 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यंकन 4,338.46 करोड़ रुपए घटकर 8.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। इसी तरह, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 2,881.38 करोड़ रुपए घटकर 4.69 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यंकन में 1,276.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 10.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया। वहीं, बढ़त दर्ज करने वाली निर्यात कंपनियों में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,517.56 करोड़ रुपए बढ़कर 9.15 लाख करोड़ रुपए हो गया। इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी ने भी नकारात्मक रुझान के विपरीत प्रदर्शन किया। इसका बाजार पूंजीकरण 1,788.66 करोड़ रुपए बढ़कर 5.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

अदाणी एयरपोर्ट्स और इंडिगो ने नवी मुंबई एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार किया ऐलान

विश्व केसरी ■
मुंबई। इंडिगो और अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएचएल) ने रविवार को नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) पर चरणबद्ध तरीके से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के विस्तार का ऐलान किया। इसके तहत इंडिगो फरवरी 2027 से तेजी से एनएमआईए पर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बढ़ाएंगी।

एनएमआईए पर अपने परिचालन विस्तार के तहत , इंडिगो धीरे-धीरे छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) से प्रतिदिन उड़ाने वाली 12 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को एनएमआईए में



स्थानांतरित करेगी। इसमें सीएसएमआईए से जकार्ता के लिए संचालित होने वाली सभी बहरीन, रियाद, दम्मम, जेद्दा, मदीना, कुवैत, मौजूदा उड़ानें शामिल हैं। इसके अलावा, रास अल खैमाह, फुजैराह, मस्कट, ढाका और काठमांडू के लिए एक अतिरिक्त दैनिक सेवा

भी शुरू की जाएगी, जिससे फरवरी और जुलाई 2027 के बीच एनएमआईए से इंडिगो के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में कुल 12 गंतव्य शामिल हो जाएंगे।

इंडिगो अपनी जरूरी घरेलू कनेक्टिविटी को भी सीएसएमआईए से एनएमआईए में स्थानांतरित करेगा, ताकि सीएसएमआईए से एनएमआईए तक की इन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को सपोर्ट मिल सके और ग्राहकों को आगे की यात्रा के लिए निर्बाध कनेक्शन मिल सकें। इंडिगो के साथ मिलकर, एएचएल ने एनएमआईए में जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने पर काम किया है।

पूर्णिमा के व्यापारी बोले-पीएम मोदी के प्रोत्साहन से युवा मखाना की खेती और व्यापार से जुड़ रहे

विश्व केसरी ■
पूर्णिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में एक बार फिर पूर्णिमा के मखाने का जिक्र किया और बताया कि बिहार का मखाना अब ग्रीस तक पहुंच रहा है। 'वोकल फॉर लोकल' पहल पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजारों तक पहुंच रहे हैं, जिससे किसानों और स्थानीय उत्पादकों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। प्रधानमंत्री के इस बयान पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष आदित्य केजरीवाल ने मखाना कारोबार को प्रोत्साहित करने पर आईएनएस से बातचीत में कहा, 'प्रधानमंत्री द्वारा मखाना का जिक्र करना, पूर्णियावासियों के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री ने पूर्णिमा दौरे के दौरान मखाना कारोबार के विकास को कई बातें कही थीं। मखाना को लेकर कई काम भी प्रधानमंत्री ने



किए हैं। 10 सालों में मखाना कारोबार में अंतर आया है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रोत्साहन से आज हजारों युवा मखाना को खेती और व्यापार से जुड़ रहे हैं। मखाना का आज ग्लोबल बाजार है। मखाना हर दृष्टि से खाने

योग्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने मखाना उद्योग के विकास के लिए बहुत कुछ किया।' आदित्य केजरीवाल ने कहा, 'मखाना एक सुपरफूड के रूप में अपनाया जा रहा है। पहले किसानों को मखाना से अच्छी आमदनी

नहीं होती थी। अब किसानों की मखाना की खेती से आमदनी बढ़ी है। अब मखाना की खेती भी आधुनिक तौर पर की जा रही है। सरकार मखाना की खेती पर सब्सिडी भी दे रही है।'

दूसरी तरफ नये व्यापारी भी अपने पारंपरिक व्यवसाय से इतर मखाना की ओर मुड़ रहे हैं। व्यापारी आदित्य ने कहा, 'जब सरकार व्यवस्था देती है तो व्यापार बढ़ता है। यही कारण है कि आज अन्य व्यापार से अधिक मखाना में मुनाफा हो रहा है। अब तो मखाना चिप्स पैकेट में बिभिन्न स्वाद के साथ बाजार में है। आने वाले दिनों में मखाना का बाजार बहुत बड़ा होगा। इसलिए बहुत से युवा मखाना उद्योग और व्यापार की आकर्षित हो रहे हैं। बस एक निवेदन है कि मखाना बोर्ड का जण दरभंगा में न करके पूर्णिमा में किया जाए क्योंकि कच्चा माल यहीं पर होता है।'

हर समय थकान क्यों रहती है? नींद पूरी होने के बाद भी शरीर दे रहा है ये संकेत

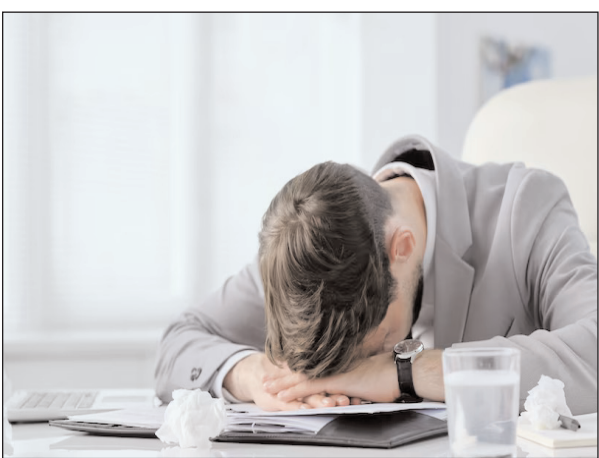


सुबह बिस्तर से उठते ही थकान महसूस होना, दिनभर काम करने का मन न करना या छोटी-सी मेहनत के बाद ऊर्जा खत्म हो जाना, ये अनुभव कई लोगों को होते हैं. अक्सर हम सोचते हैं कि शायद नींद पूरी नहीं हुई या काम ज्यादा हो गया है. लेकिन अगर आराम करने के बाद भी शरीर में चुस्ती नहीं लौटती, तो इसकी वजह रोजमर्रा की कुछ आदतें या सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं. ऐसे में जरूरी है कि थकान को केवल आलस मानकर नजरअंदाज न किया जाए.

दिनभर की भागदौड़ में नाश्ता छोड़ देना, लंबे समय तक भूखे रहना या बार-बार सिर्फ चाय-बिस्कुट पर निर्भर रहना शरीर की ऊर्जा पर असर

और अलग-अलग पोषक तत्व चाहिए. अगर खाने में प्रोटीन, आयरन और विटामिन बी12 जैसे पोषक तत्व कम हैं, तो कमजोरी महसूस हो सकती है. इसलिए भोजन में दाल, फलियां, हरी सब्जियां, फल और दूसरे पौष्टिक विकल्प शामिल करें. केवल पेट भरना ही नहीं, संतुलित आहार लेना भी जरूरी है.

कई लोग काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हें पानी पीना याद ही नहीं रहता. शरीर में पानी की कमी होने पर सिरदर्द, चक्कर और थकान जैसी परेशानियां हो सकती हैं. गर्मी में बाहर रहने, व्यायाम करने या ज्यादा पसीना आने पर इसकी जरूरत बढ़ सकती है.



दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें और अपनी प्यास पर ध्यान दें. हालांकि, जरूरत से ज्यादा पानी पीना भी जरूरी नहीं है; मात्रा व्यक्ति की जरूरत के अनुसार होनी चाहिए.

शरीर भले ही आराम कर रहा हो, लेकिन अगर दिमाग लगातार काम, परिवार या दूसरी चिंताओं में उलझा है, तो ताजगी महसूस करना मुश्किल हो सकता है. लंबे समय तक तनाव रहने से नींद, एकाग्रता और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. दिन में छोटे ब्रेक लेना, थोड़ी देर टहलना और अपनी पसंद की गतिविधियों के लिए समय निकालना मददगार हो सकता है. अगर चिंता लगातार बनी रहे, तो विशेषज्ञ से बात करना बेहतर है.



वजन 1 ग्राम भी नहीं... फायदे इतने जबरदस्त की दर्द और सृजन की हो जाए छुट्टी



रसोईघर में आसानी से मिलने वाला तेजपत्ता सेहत के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है. आयुर्वेद एक्सपर्ट डॉ. पंकज सिंह कुशवाहा के अनुसार इस छोटे से पत्ते का सही इस्तेमाल कई गंभीर समस्याओं से राहत दिला सकता है. मौसम बदलने पर होने वाली सर्दी, जुकाम और बंद नाक की समस्या से निपटने के लिए तेजपत्ते को गर्म पानी में डालकर उसकी भाप लेना बेहद असरदार होता है. ऐसा करने से छींक और श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों में तुरंत आराम मिलता है.

की भाप से सर्दी-जुकाम में राहत

. पंकज सिंह कुशवाहा ने बताया कि लखनऊ और जयपुर से आयुर्वेद की पढ़ाई पूरी करने वाले और लगभग 8 से 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले डॉक्टर कुशवाहा बलिया के शांति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सहायक प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं.

के दर्द और सूजन में फायदेमंद तेजपत्ता

में कॉपर, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. इसका पानी या चाय पीने से शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स बाहर निकल जाते हैं.

अलावा तेजपत्ते की खुशबू या इसे जलाने से मानसिक तनाव कम होता है और मूड तरोताजा रहता है. हालांकि, किसी भी घरेलू नुस्खे को आजमाने से पहले आयुर्वेदिक चिकित्सक से सलाह लेना बहुत ही जरूरी होता है.

धर्म या कर्म – जीवन में किसकी प्रधानता?

मनुष्य के जीवन में इससे बड़ा प्रश्न शायद ही कोई हो— धर्म बड़ा है या कर्म? पूजा बड़ी है या पुरुषार्थ? मान्यता बड़ी है या कर्तव्य? ईश्वर का नाम लेना बड़ा है या ईश्वर के बताए मार्ग पर चलना? यह प्रश्न केवल दर्शन का नहीं, मनुष्य के चरित्र का प्रश्न है। के जीवन में दो शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं—धर्म और कर्म। दिशा देता है, कर्म पहचान देता है। धर्म हमें बताता है कि क्या उचित है, जबकि कर्म यह निर्धारित करता है कि हम वास्तव में क्या करते हैं। यह है कि जीवन में प्रधानता किसकी हो—धर्म की या कर्म की? यदि धर्म है, पर कर्म नहीं, तो वह केवल विचार बनकर रह जाता है। और यदि कर्म है, पर धर्म नहीं, तो वही कर्म विनाश का कारण भी बन सकता है। इसलिए जीवन का सत्य शायद यह है— धर्म कर्म को दिशा देता है और कर्म धर्म को प्रमाणित करता है। धर्म क्या है? धर्म को केवल पूजा-पद्धति, संप्रदाय, मंदिर या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित कर देना धर्म की व्यापकता को छोटा कर देना है। धर्म का मूल अर्थ है—जो धारण करने योग्य हो , जो जीवन और समाज को संभाले। सत्य बोलना धर्म है। न्याय करना धर्म है। कर्तव्य निभाना धर्म है। निर्बल की रक्षा करना धर्म है। अपने अधिकार के साथ अपने दायित्व को समझना भी धर्म है। इस अर्थ में धर्म कोई बाहरी पहचान नहीं, बल्कि अंतरात्मा की व्यवस्था है। कर्म क्या है? कर्म वह है जो हमारे विचारों को वास्तविकता में बदलता है। मनुष्य कितना भी धार्मिक क्यों न दिखाई दे, यदि उसके कर्म में छल, अन्याय, अहंकार और शोषण है, तो उसकी धार्मिकता केवल आवरण है। इसीलिए कहा जा सकता है— मनुष्य की असली पहचान उसके शब्दों से नहीं, उसके कर्मों से होती है। कर्म ही वह दर्पण है जिसमें मनुष्य का वास्तविक चरित्र दिखाई देता है। कर्म—मनुष्य की असली पहचान मनुष्य अपने नाम से नहीं, अपने पद से नहीं, अपने धन से नहीं, बल्कि अपने कर्म से बड़ा होता है। समय सब कुछ छीन सकता है—धन, पद, प्रतिष्ठा और सत्ता भी लेकिन कर्मों की छाप समय भी नहीं मिटा सकता। इसीलिए इतिहास में आज भी

राम याद हैं, क्योंकि उन्होंने धर्म को केवल कहा नहीं—जिया। कृष्ण याद हैं, क्योंकि उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिया—कर्तव्य का मार्ग दिखाया। अर्जुन याद हैं, क्योंकि उसने मोह के अंधकार से निकलकर कर्तव्य का धनुष उठाया। और महाभारत हमें बताता है— जब धर्म संकट में हो, तब मौन भी एक कर्म बन जाता है। गीता का दर्शन — कर्म की प्रधानता भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म से विमुख नहीं होने देते। वे कर्म के मार्ग को जीवन का अनिवार्य सत्य बताते हैं। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात् मनुष्य का अधिकार कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं। यहाँ कर्म का अर्थ केवल कोई कार्य करना नहीं है। यह कर्तव्य-बोध से किया गया कर्म है। अर्जुन के सामने युद्ध था, लेकिन प्रश्न केवल युद्ध करने या न करने का नहीं था। प्रश्न था—अपने स्वधर्म और कर्तव्य के प्रति उसकी जिम्मेदारी क्या है? यहीं कर्म और धर्म एक-दूसरे में मिल जाते हैं। तो अगला प्रश्न क्या केवल कर्म पर्याप्त है? नहीं।

इसी विश्वास के आधार पर लोग दूध, चावल और चीनी से बनी खीर को रात में खुले आकाश के नीचे रखते हैं। प्रातःकाल इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है और परिवार के सदस्यों में बाँटा जाता है। यह परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के लोगों को एक साथ बैठने, बातचीत करने और उत्सव की खुशियाँ साझा करने का अवसर भी देती है। हालाँकि, चंद्रकिरणों से खीर में अमृतमय गुण आने की धारणा धार्मिक विश्वास है, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तथ्य नहीं। इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष माँ लक्ष्मी की आराधना है। कोजागरी शब्द का संबंध संस्कृत के प्रश्न 'को जागर्ति?' अर्थात् 'कौन जाग रहा है?' से माना जाता है। मान्यता है कि इस रात माँ लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं और जागकर श्रद्धापूर्वक पूजा करने वाले भक्तों को सुख, समृद्धि तथा ऐश्वर्य का आशीर्वाद देती हैं। इसी कारण अनेक लोग रात्रि में लक्ष्मी पूजन करते हैं, दीप जलाते हैं और भजन-कीर्तन के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। दिल्ली में कोजागरी पूजा का निश्चित काल 25 अक्टूबर की रात 11:40 बजे से 26 अक्टूबर को मध्यरात्रि के बाद 12:31 बजे तक बताया गया है। अलग-अलग पंचांगों में गणना के अनुसार समय में थोड़ा अंतर हो सकता है। ब्रजभूमि में शरद पूर्णिमा को रास

पूर्णमा के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक परंपरा के अनुसार, इसी मनोरम रात भगवान श्रीकृष्ण ने वृंदावन में गोपियों के साथ महारास रचाया था। श्रीमद्भागवत महापुराण के दशम स्कंध में वर्णित रासलीला प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक समर्पण का अनुपम प्रतीक है। इस प्रसंग में प्रेम को केवल सांसारिक आकर्षण नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति के रूप में देखा जाता है। ब्रज के मंदिरों में इस अवसर पर विशेष पूजा, भजन और रासलीला के आयोजन होते हैं। यह भी संदेश देती है कि जीवन में बाहरी समृद्धि के साथ मन की निर्मलता और संबंधों को मधुरता भी आवश्यक है। चंद्रमा की शीतल रोशनी हमें संयम, शांति और संतुलन का भाव सिखाती है। माँ लक्ष्मी की पूजा परिश्रम, सदाचार और समृद्धि को कामना से जुड़ती है, जबकि श्रीकृष्ण का महारास प्रेम और समर्पण का महत्व समझाता है। आज जब मनुष्य भागदौड़, तनाव और भौतिक इच्छाओं में उलझा हुआ है, तब ऐसे पर्व परिवार और समाज के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। शरद पूर्णिमा की चाँदी में छिपा संदेश यही है कि जीवन का वास्तविक सुंदरता धन-संपत्ति में ही नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, संतोष और आत्मीयता में भी बसती है। यही इस पर्व की शाश्वत सांस्कृतिक विरासत है।

टच-मी-नॉट... कमाल की खूबसूरती लेकिन स्किन और बालों के लिए रामबाण



बलिया: आयुर्वेद का एक ऐसा खूबसूरत और चमत्कारिक पौधा, जो सेहत और खूबसूरती दोनों के लिए वरदान है. जी हाँ, जनपद बलिया के बांसडीह रोड थाना क्षेत्र के मझौली स्थित शांति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में सेवाएं दे रहे उड़ीसा निवासी अनुभवी आयुर्वेदाचार्य डॉ. सतत कुमार पाणिग्रही ने गुलमेहंदी पौधे के कई अद्भुत फायदों से पर्दा उठाया है. सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद डॉक्टर पाणिग्रही बलिया के लोगों को अपनी लंबी चिकित्सा का लाभ दे रहे हैं और आयुर्वेद के जरिए गंभीर समस्याओं का समाधान बता रहे हैं. गुलमेहंदी का खूबसूरत पौधा औषधीय गुणों से भरपूर इस पौधे को आम बोलचाल में टच मी नॉट यानी गुलमेहंदी के नाम से जाना जाता है. यह विभिन्न रंगों से भरपूर एक बेहद खूबसूरत फूल वाला पौधा है, जो न केवल बगीचे की शोभा बढ़ाता है, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर है. इस पौधे को टच मी नॉट इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसकी फलियों को छूते ही इसके बीज चटककर तेजी से बाहर निकल जाते हैं. इसके प्राकृतिक राल और एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल भी सदियों से होता आ रहा है. डॉक्टर पाणिग्रही ने कहा कि इस पौधे में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक गुण प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं. इसी के कारण इसका तेल मांसपेशियों के खिंचाव, जोड़ों की अकड़न और गठिया के दर्द को कम करने में मदद करता है. इसके अलावा, इसमें मौजूद कफ निस्सारक गुण सर्दी, खांसी, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं में भी मरीजों को तुरंत आराम देते हैं. इसकी पत्तियों का काढ़ा यानी चाय के रूप में सेवन करने से शरीर की इम्युनिटी पावर भी मजबूत होती है.

बस्तर: द नक्सल स्टोरी’ की अभिनेत्री इंदिरा की नई फ़िल्म ‘स्पाइंग स्टार्स’ श्रीलंका में रिलीज़ हो रही

पंकज शुक्ल
इंदिरा तिवारी का नाम सुना है ना आपने मध्यप्रदेश से आई हैं। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है, फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर बुसान इंटरनेशनल फिल्म फ़ेस्टिवल के प्रतियोगिता खंड में हो चुका है, फिल्म का निर्देशक कान फिल्म समारोह का प्रतिष्ठित सम्मान जीत चुका है और अब ये फिल्म अपने मूल देश में रिलीज़ होने जा रही है। लेकिन, इंदिरा की इस उपलब्धि के बाद भी भारतीय सिनेमा, खासतौर से मुंबई की हिंदी फिल्म पत्रकारिता और प्रचारतंत्र, दोनों में सन्नाटा है! ‘ताकि सनद रहे’ में आज इन्हीं इंदिरा की बात करते हैं।

इरफ़ान खान के दिखाए रास्ते पर चलती राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित अभिनेत्री इंदिरा तिवारी की अंतर्राष्ट्रीय फिल्म ‘स्पाई स्टार्स’ की रिलीज़ का वक़्त आ पहुँचा है। हिंदी सिनेमा के किसी बड़े स्टार की बेटी या मुंबई के फ़िल्मी खेमें की किसी अभिनेत्री ने ये क़ामयाबी हासिल की होती, तो सोशल मीडिया इस समय तक उसकी तस्वीरों से रंग चुका होता और हर अख़बार में बस उसी के बारे में लिखा जा रहा होता।

चर्चाओं में अक्सर कहा जाता है कि अभिनेता इरफ़ान खान के बहुत देर से पहचाना। उनकी असल अभिनय प्रतिभा को पहले अंतर्राष्ट्रीय फिल्म निर्देशकों व निर्माताओं ने जाना और जब तक हिंदी सिनेमा उनके अभिनय में मूक रहने का अर्थ समझ पाया, उनकी दुनिया के रंगमंच से विदाई हो गई। ये कहानी मुझे इंदिरा तिवारी में फिर दोहराई जाती दिख रही है।

बिना किसी फ़िल्मी खानदान, बड़े बैनर की सरपरस्ती या पीआर के शोर के अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाने वाली भोपाल की अभिनेत्री इंदिरा तिवारी की फिल्म ‘स्पाइंग स्टार्स’ 30 अक्टूबर को श्रीलंका में रिलीज़ होने जा रही है। यह सिर्फ़ एक अभिनेत्री की कामयाबी की कहानी नहीं, बल्कि



हिंदी सिनेमा में प्रतिभा को पहचानने और उसका सम्मान करने के हमारे तरीकों पर भी एक बड़ा सवाल है। फ़िल्म ‘बस्तर: द नक्सल स्टोरी’ में रत्ना के किरदार ने इंदिरा को एक अलग तरह के सामाजिक और राजनीतिक परिवेश में काम करने का मौक़ा दिया। मेरा अब भी मानना है कि ये फ़िल्म अपनी मार्केटिंग के चलते बाज़ार में मात खा गई। एक माँ की ‘मदर इंडिया’ सी कहानी कहती इस फ़िल्म को

‘स्पाइंग स्टार्स’ में इंदिरा का किरदार शुरुआती लगभग 45 मिनट तक कुछ बोलता ही नहीं है। वह आनंदी नाम की एक बायो-इंजीनियर हैं, जो अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए एक द्वीप पर पहुँचती है। एक ऐसी दुनिया में, जहाँ तकनीक मनुष्य की चेतना पर हावी होती जा रही है। भारत, श्रीलंका और फ़्रांस के साझा निर्माण वाली यह फ़िल्म अंग्रेज़ी और सिंहली भाषाओं में बनी है। इंदिरा ने इस फ़िल्म को लेकर एक बहुत सुंदर बात कही। वह कहती हैं, ‘किसी कलाकार की चुप्पी ही उसके किरदार की भाषा बने तो सबसे पहले हमें इरफ़ान खान याद आते हैं। मैंने उनकी आँखों की मूक भाषा से बहुत कुछ सीखा है। मेरे किरदार आनंदी के भीतर यादें हैं, सवाल हैं, अकेलापन है और जीवन की एक निरंतर हलचल है। इस हलचल को बिना पक्षपात झेलने के बाद भी इंदिरा में ग़ाज़ब का आत्मविश्वास था। दिलचस्प ये भी है कि फ़िस्म सफ़र की शुरुआत किसी फ़िल्मी परिवार के ड्राइंग रूम से नहीं हुई। उनका बचपन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बीता। राष्ट्रपति से राष्ट्रीय बालश्री सम्मान पा चुकीं इंदिरा ने दिल्ली के राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से 2018 में अभिनय का प्रशिक्षण पूरा किया। पेशेवर अभिनेत्री के रूप में उनकी असल यात्रा इसी के बाद शुरू हुई। सुमन मुखोपाध्याय की फ़िल्म ‘नजरबंद’ में वसंती का किरदार आशापूर्णा देवी की कहानी से निकला है। यह फ़िल्म जेल से बाहर आए दो ऐसे लोगों की कहानी कहती है, जो समाज की अपनी जगह तलाश रहे हैं। बुसान फ़िल्म समारोह में प्रीमियर के बाद साल 2021 के न्यूयॉर्क इंडियन फ़िल्म फ़ेस्टिवल में इंदिरा के अभिनय को खूब तालियाँ मिलीं। सुधीर मिश्रा की फ़िस्म ‘सीरिस मेन’ में तो उन्होंने ग़दर काट दिया और संजय लीला बहसली की फ़िल्म ‘गंगूबाई काटियावाड़ी’ में आलिया भट्ट की सहेली कमली के

किरदार में इंदिरा ने एक बार फिर अपना असर छोड़ा। अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म ‘स्पाइंग स्टार्स’ इसी आत्मविश्वास की अगली मंजिल है। इस फ़िल्म को चुनने के पीछे इंदिरा का मक़सद सिर्फ़ विदेश में काम करना नहीं था। इस फ़िल्म के निर्देशक ने उनके भीतर आनंदी को पहचाना। उनके लिए यह भरोसा एक अभिनेत्री के रूप में आगे बढ़ने का अवसर बन गया। हालाँकि, उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है। कोई गॉडफ़ादर भी नहीं है, लेकिन इंदिरा खुद कहती हैं कि उन्हें हर समय सुर्ख़ियों में बने रहने की जरूरत महसूस नहीं होती। इंदिरा काम के बीच का वक़्त जीना चाहती हैं।

सड़क किनारे बनी किसी टपरी पर बैठकर लोगों को देखना पसंद करती हैं और ये सीखने की कोशिश करती रहती हैं कि अलग अलग परिस्थितियों में किसी इंसान का दिल, देह और दिमाग कैसे अपना संतुलन पाता है?

‘जॉन डो’ में सृष्टि के किरदार से उठा पर्दा

अर्जुन दास की साइकोलॉजिकल थ्रिलर में दर्शना बनेंगी सृष्टि



विश्व केसरी ■

मुंबई। डायरेक्टर मधुमिता की अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ‘जॉन डो’ को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म में एक्टर अर्जुन दास लीड रोल में नजर आएंगे। अब मेकर्स ने एक्ट्रेस सृष्टि के किरदार का खुलासा किया है। वह फिल्म में दर्शना की भूमिका निभाएंगी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे प्रोडक्शन हाउस अर्का मीडिया वर्क्स ने सोशल मीडिया पर सृष्टि के किरदार की जानकारी शेयर की।

मेकर्स ने पोस्ट में लिखा, ‘दर्शना ने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार के लिए मजबूत बनी रहती है। लेकिन, जब घर में सननाटा होता है, तो वह खुद से सवाल पूछती है कि क्या वह अपने लिए काफी हैं? मिलिए ‘जॉन डो’ की दुनिया की दर्शना से।’

बता दें कि फिल्म में अर्जुन दास चंद्र नाम के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर ने कुछ समय पहले फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, ‘नान पोदुमा? (क्या मैं काफी हूँ?)’ यह एक ऐसा सवाल है जो चंद्र को परेशान करता है। अर्जुन ने बताया कि शायद यह सवाल हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा। चंद्र के किरदार की तलाश के दौरान उन्हें भी अपने अंदर इस किरदार की कुछ झलक देखने को मिली।

फिल्म में संचना नटराजन फीमेल लीड रोल में हैं। वहीं, जारा विनीट चंदोके और नीरव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

‘जॉन डो’ को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह यह भी है कि अर्जुन दास पहली बार अपने करियर में एक पुलिस अफसर का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

‘हाइकू’ की शूटिंग के बाद भी किरदार से बाहर नहीं आ पाई श्रीदेवी अपल्ला, बोलीं- ‘भावनाएं अब भी साथ हैं’

विश्व केसरी ■

मुंबई। तेलुगु फिल्म ‘कोटः स्टेट वर्सेस नोबडी’ में अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों और क्रिटिक्स का ध्यान खींचने के बाद अब अभिनेत्री श्रीदेवी अपल्ला ने तमिल सिनेमा में कदम रखा है। इन दिनों वह अपनी तमिल फिल्म ‘हाइकू’ को लेकर चर्चा में हैं। उनका कहना है कि ‘हाइकू’ में निभाया गया उनका किरदार शूटिंग पूरी होने के बाद भी उनके साथ रहा। यहां तक कि फिल्म की डबिंग खत्म करने के बाद भी उनके लिए उस किरदार से खुद को अलग करना आसान नहीं था।

श्रीदेवी ने कहा, ‘जब निर्देशक युवराज चिन्नास्वामी ने मुझे फिल्म की कहानी सुनाई, तभी मुझे एहसास हो गया था कि मेरे किरदार में कई तरह की भावनाएं छिपी हुई हैं। कई बार शूटिंग के बाद भी किरदार का एक हिस्सा मैं जी रही होती थी। डबिंग पूरी करने के बाद भी मेरे लिए उससे बाहर निकलना मुश्किल था। ऐसा लगता था, जैसे उस किरदार का थोड़ा-सा हिस्सा मेरे भीतर



रह गया हो और मैं अब भी उन भावनाओं को अपने साथ लेकर चल रही हूँ। अभिनेत्री ने आगे कहा, ‘मैं इस ‘हाइकू’ से जुड़ी यह बात मेरे लिए हमेशा

निर्देशक की आभारी हूँ, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। मैं अपने को-स्टार एगन का भी शुक्रिया अदा करती हूँ। उनके साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। कुछ किरदारों का सफर काम खत्म होने के साथ ही पूरा हो जाता है, लेकिन कुछ भूमिकाएं ऐसी होती हैं, जिन्हें शब्दों में बयां करना मुश्किल है और लंबे समय तक हमारे साथ रहती हैं। ‘हाइकू’ का किरदार भी उन्हीं में से एक है।’

‘हाइकू’ को युवराज चिन्नास्वामी ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में एगन, श्रीदेवी अपल्ला और फेमिना जॉर्ज मुख्य भूमिकाओं में हैं। इनके अलावा फिल्म में अद्विती अरुण, सुब्रमणिया सेतु, अधियामन, माइम गोपी और इंदुमति मणिगंदन भी नजर आ रहे हैं।

फिल्म का निर्माण विजन सिनेमा हाउस के बैनर तले डॉ. डी. अरुलानंधु और मैथ्यू अरुलानंधु ने किया है। इसका म्यूजिक सिद्धू कुमार ने तैयार किया है, जबकि सिनेमेटोग्राफी की जिम्मेदारी प्रीयेश गुरुसामी ने सभाली है।

‘बैचलर पार्टी डी यू’ में ज्योतिर्मयी निभाएंगी पॉली का किरदार, 19 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

विश्व केसरी ■

चेन्नई। मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म ‘बैचलर पार्टी डी यू’ को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, ‘ज्योतिर्मयी इज पॉली।’ यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म ‘बैचलर पार्टी’ का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे।

‘बैचलर पार्टी डी यू’ में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में ‘प्रेमलु’ से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके



अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंद्र सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर

आएंगे।

मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी।

फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंद्र सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं।

हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सरपेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, ‘हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हिंजर।’

‘रामायण’ के गाने ‘मंगल रंग’ में अरिजीत सिंह-श्रेया घोषाल की आवाज का जादू, एआर रहमान के संगीत ने जीता दिल



विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्देशक नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘रामायण’ को लेकर दर्शकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। फिल्म का नया गीत ‘मंगल रंग’ जारी किया गया है, जिसमें भगवान राम और माता सीता के प्रेम और समर्पण को संगीत के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस गीत का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया है, जबकि अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज से इसे सजाया है।

एआर रहमान ने गाने को कंपोज करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ‘‘रामायण’ ऐसी कहानी है, जो कई पीढ़ियों से लोगों के दिलों में बसी हुई है। इस कहानी को संगीत के जरिए पेश करना मेरे लिए खास अनुभव रहा। भगवान राम और माता सीता के रिश्ते में एक

खास पवित्रता और कोमलता है, जिसे मैं संगीत में उतारना चाहता था। मुझे उम्मीद है कि ‘मंगल रंग’ सुनने वालों के दिलों में प्रेम और भक्ति का भाव जगाएगा। कुछ कहानियों को शब्दों में समझाने की जरूरत नहीं होती, उन्हें सिर्फ महसूस किया जाता है।’’

गाने में अपनी आवाज देने और ‘रामायण’ का हिस्सा बनने को लेकर अरिजीत सिंह ने कहा, ‘‘रामायण’ सिर्फ एक कहानी या महाकाव्य नहीं है, बल्कि यह जीवन, हमारी अंतरात्मा और हमारे आसपास की हर चीज से जुड़े रिश्तों को समझने का एक ऐसा नजरिया है, जो हमेशा प्रासंगिक रहेगा। एआर रहमान सर की कंपोज की गई ‘मंगल रंग’ की धुन मुझे शब्दों से परे एक ऐसी दुनिया में ले गई, जहां प्रेम अपने सबसे पवित्र रूप में खिलता है।’’

अरिजीत ने आगे कहा, ‘भगवान राम और माता सीता के रिश्ते की सच्चाई और कोमलता मुझे बार-बार उस प्रेम की याद दिलाती रही, जो अलग-अलग पहचान होने के बावजूद सभी को जोड़ता है। मेरे लिए इस गाने का हिस्सा बनना एक गहरा और बदल देने वाला अनुभव रहा। मुझे उम्मीद है कि यह गाना सुनने वालों तक भी प्रेम, आभार और भक्ति का वही भाव पहुंचाएगा, जिसे मैंने इसे गाते हुए महसूस किया।’’

श्रेया घोषाल ने भगवान राम और माता सीता की प्रेम कहानी से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में कहा, ‘‘उनके रिश्ते की खूबसूरती सिर्फ साथ रहने की खुशी में नहीं है। उनके बीच विश्वास, समझ और एक ऐसी शांत ताकत है, जो इस रिश्ते को खास बनाती है।’’

शेफ दामू को याद कर भावुक हुई राम्या पांडियन, बोलीं- ‘आपकी प्यार भरी बातें और आशीर्वाद हमेशा याद आएंगे’

विश्व केसरी ■

चेन्नई। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर और मशहूर शेफ दामोदरन कोथंदरमन के निधन से एक्ट्रेस राम्या पांडियन बेहद दुखी हैं। कोथंदरमन को शेफ दामू के नाम से जाना जाता था। उन्होंने रविवार को शेफ को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। राम्या ने कहा कि शेफ दामू का खाना बनाने की कला की दुनिया में योगदान बेहद खास रहा है और उनकी विरासत हमेशा जिंदा रहेगी।

शेफ दामू ने साल 2010 में अकेले सबसे लंबे समय तक लगातार खाना पकाने का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उनके निधन की खबर से दुखी राम्या ने सोशल मीडिया पर लिखा, ‘दामू सर, मैं यह बात स्वीकार नहीं कर पा रही हूँ कि अब आप हमारे बीच नहीं रहे।’

राम्या ने टीवी शो ‘कुकू विद कोमाली’ में शेफ दामू के साथ काम करने के दिनों को भी याद किया। इस शो में शेफ दामू जज थे, जबकि राम्या एक कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हुई थीं। एक्ट्रेस ने लिखा, ‘‘आप उन सबसे प्यारे लोगों में से एक थे, जिन्हें मैं जानती हूँ। आप बहुत शांत स्वभाव के थे और हमेशा मुझे बहुत प्यार देते थे। शो में जज करते समय भी आप इस बात का ध्यान रखते थे कि आपकी बातों से किसी का दिल न दुखे।’’

राम्या ने शेफ दामू के साथ जुड़ी कई खास यादें भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि वह आज भी इस बात को नहीं भूल सकती कि शेफ दामू ने उनकी फिल्म ‘अरुलवन’ को उनसे पहले सिनेमाघर में देखा था। एक्ट्रेस ने शो के हर एपिसोड से पहले उनके साथ होने वाली बातचीत को भी याद किया।

‘बच्चों को ढेर से समझ आती है माता-पिता की अहमियत’, जब पिता को याद कर भावुक हुए थे अजय देवगन



विश्व केसरी ■

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने साल 2021 में एडवेंचर रियलिटी शो ‘इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स’ में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने अपने पिता और मशहूर एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की थी।

अजय ने बताया था कि उम्र बढ़ने के साथ बच्चों का अपने माता-पिता को देखने का नजरिया बदल जाता है। खासकर जब वे खुद माता-पिता बनते हैं, तब उन्हें समझ आता है कि उनके माता-पिता ने उनके लिए कितना कुछ किया है।

शो के दौरान होस्ट बेयर ग्रिल्स ने अजय से उनके पिता के निधन के बारे में पूछा। उन्होंने कहा, ‘‘आपने हाल ही में अपने पिता को खोया है।’’ इस पर अजय

ने जवाब दिया, ‘‘हां, दो साल पहले।’’ बेयर ग्रिल्स ने कहा कि पिछले दो साल उनके लिए काफी मुश्किल रहे होंगे। इसके बाद अजय ने बताया कि माता-पिता को खोना बेहद मुश्किल होता है, लेकिन बचपन और युवावस्था में अक्सर बच्चे उनके योगदान को ठीक से समझ नहीं पाते। उन्होंने कहा, ‘‘अपने माता-पिता को खोना मुश्किल होता है, क्योंकि जिंदगी के 20 साल की उम्र तक आप उनकी परवाह नहीं करते। आपको लगता है कि वे बेवकूफ हैं, उन्हें कुछ नहीं पता और आपको सब कुछ पता है।’’

अजय ने आगे कहा, ‘‘लेकिन जब आपके अपने बच्चे होते हैं, तब आपको समझ आता है कि माता-पिता क्या होते हैं। वे आपके लिए सबसे अच्छा चाहते हैं। हालांकि, इस बात को समझने में काफी

समय लग जाता है।’’

बातचीत के दौरान बेयर ग्रिल्स ने अजय से उनके पिता की बीमारी के बारे में भी पूछा। इस पर अभिनेता ने बताया कि वीरू देवगन अल्जाइमर बीमारी से जूझ रहे थे। उन्होंने कहा, ‘‘हां, उन्हें अल्जाइमर था। स्टंट की वजह से उन्हें काफी चोटें भी लगी थीं।’’ अजय ने एक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि शूटिंग के दौरान एक बार उनके पिता को कार के ऊपर से निकलने वाला स्टंट करना था। इस दौरान उनके सिर में चोट लग गई थी।

अजय ने बताया कि उस दौर में फिल्मों के स्टंट के लिए असली कारों और साधारण कांच का इस्तेमाल किया जाता था, जिससे चोट लगने का खतरा ज्यादा रहता था। उन्होंने कहा, ‘‘क्योंकि उस समय असली कांच इस्तेमाल किया जाता था।’’

ओम बिरला से मिले रूसी स्टेट ड्यूमा के अध्यक्ष वोलोदिन, संसदीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को रूसी संसद ‘ड्यूमा’ के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों की संसदों के बीच निरंतर संस्थागत जुड़ाव, संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के नियमित आदान-प्रदान, और युवा तथा महिला सांसदों के बीच आपसी संवाद को बढ़ावा देकर संसदीय सहयोग का विस्तार करने पर चर्चा की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने ‘भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी’ को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

विधायी पीठासीन अधिकारियों के बीच यह बैठक 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच 2026 से पहले हुई। बैठक में भाजपा सांसद संजिव पात्रा, विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज और अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए, बिरला ने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘12वें



ब्रिक्स संसदीय मंच 2026 से पहले, रूसी संघ की फेडरल असेंबली के ‘स्टेट ड्यूमा’ अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन के साथ एक सौहार्दपूर्ण और सार्थक बैठक हुई। भारत और रूस के बीच दोस्ती, आपसी विश्वास और समझ के गहरे बंधन हमारी दीर्घकालिक साझेदारी का आधार हैं। चूंकि दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 80 साल पूरे कर रहे हैं, इसलिए हमने आपसी सम्मान,

विश्वास और साझा आकांक्षाओं पर आधारित ‘भारत-रूस विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी’ को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

बैठक के दौरान, लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय कार्यवाही को अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए तकनीक का उपयोग करने की भारत की पहलों के बारे में बात की, जिसमें ‘संसद

भाषिणी’ भी शामिल है। उन्होंने विश्वास जताया कि मजबूत संसदीय जुड़ाव भारत और रूस के बीच की साझेदारी को नई गति देगा।

बिरला ने ‘एक्स’ पर लिखा, ‘हमने लोकसभा और स्टेट ड्यूमा के बीच निरंतर संस्थागत जुड़ाव, संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के नियमित आदान-प्रदान, और युवा तथा महिला सांसदों के बीच बेहतर संवाद के माध्यम से संसदीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। मैंने संसदीय कार्यवाही को अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए तकनीक का उपयोग करने की भारत की पहलों के बारे में भी बताया, जिसमें ‘संसद भाषिणी’ शामिल है।’

उन्होंने आगे कहा, ‘हमने ब्रिक्स संसदों के बीच सहयोग को मजबूत करने, ठोस अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के माध्यम से आतंकवाद का मुकाबला करने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों को आगे बढ़ाने पर भी विचार साझा किए।

नई दिल्ली सोमवार, 26 अक्टूबर 2026

इस क्षेत्र में अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगा: ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची

विश्व केसरी■

तेहरान। विदेश मंत्री अराघची का मानना है कि पश्चिम एशिया के हालात पहले जैसे नहीं रहेंगे। उनके मुताबिक इसका जिम्मेदार इजरायल है। उन्होंने रविवार को तेहरान में आयोजित एक विशेष बैठक में ये भी कहा कि ‘युद्ध फिर से शुरू हो या न हो, ईरान की नीतियां नहीं बदलेंगी।’

तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार बैठक विदेश नीति पर आम सहमति बनाने में दिवंगत राजनयिक कमाल खराज्जी की भूमिका पर केंद्रित थी। अब्बास अराघची ने शांति और स्थिरता पर आधारित एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के प्रति ईरान की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसे विदेशी हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय देश खुद सुनिश्चित करें।

विदेश मंत्री ने पिछले डेढ़ साल के संघर्ष, विशेष रूप से अमेरिका-इजरायल के आक्रामक युद्धों को एक ‘टर्निंग पॉइंट’ (महत्वपूर्ण



मोड़) बताया और कहा कि इस संघर्ष के बाद ‘अब कुछ भी पहले जैसा नहीं रहेगा।’

अराघची ने कहा, ‘इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों ने न तो अपने मेजबान देशों को और न ही किसी अन्य देश को शांति या सुरक्षा दी है। इसके विपरीत ये ठिकाने खुद असुरक्षा का स्रोत बन गए हैं। ईरान मूल रूप से ऐसी किसी भी पहल का स्वागत करता है, जिससे क्षेत्रीय देश अपनी क्षमताओं पर अधिक भरोसा कर सकें। विदेश मंत्री ने दावा,

‘इजरायल का पर्दाफाश हो चुका है; सब जान गए हैं कि इस क्षेत्र में युद्ध भड़काने वाली एकमात्र ताकत वही है। वह बार-बार क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता कायम होने से रोकता है, जबकि खुद युद्ध भड़काने और पड़ोसी देशों को कमजोर करने की कोशिश करता है।’

उन्होंने क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए विदेशी ताकतों की पूरी तरह से वापसी को एक अनिवार्य शर्त बताया। उन्होंने कहा, ‘ये ताकतें इस क्षेत्र में इजरायल की रक्षा करने के लिए आई हैं।’

संक्षिप्त खबर

अफगानिस्तान में सड़क हादसा, 4 की मौत और आठ घायल

विश्व केसरी■

काबुल। अफगानिस्तान के सुदूर उत्तरी प्रांत बदखां में एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि 8 अन्य घायल हो गए।



स्थानीय मीडिया ने रविवार को पुलिस के हवाले से ये जानकारी दी। ‘आरियाना न्यूज’ ने एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से बताया कि कार को फाफा और याफताल जिलों की ओर जा रही थी। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारण को ख़ुलासा नहीं किया है। ‘सिन्हुआ समाचार एजेंसी’ की रिपोर्ट के अनुसार, घायलों को इलाज के लिए प्रांतीय अस्पताल ले जाया गया है। बदखां एक पहाड़ी और कम आबादी वाला प्रांत है। यहां का इलाका काफी ऊबड़-खाबड़ है और सड़कों का बुनियादी ढांचा भी सीमित है; इन्हीं वजहों से इस क्षेत्र में अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। अफगानिस्तान में यातायात और परिवहन का हाल बेहाल ही है। आए दिन यहां हादसे होते रहते हैं। 23 अक्टूबर को उत्तरी अफगानिस्तान के एक जिले में खौफनाक हादसा हुआ था। प्रांतीय पुलिस ने शनिवार को बताया था कि शुक्रवार शाम उत्तरी अफगानिस्तान के फर्याब प्रांत में एक मिनीबस के सड़क से उतर जाने के कारण कुल 24 लोग घायल हो गए थे, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर थी। ये यात्री खैबर जिले में एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत 24 लोग घायल हुए थे।

ओडिशा में 2.60 करोड़ के घोटाले में वन विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

भुवनेश्वर। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ओडिशा विजिलेंस ने रविवार को राज्य वन विभाग के सीनियर क्लर्क को 2.60



करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी धनराशि के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान बबलू सुना के रूप में हुई है, जो सुनावेड़ा वन्यजीव प्रभाग, नुआपाड़ा के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) कार्यालय में स्थापना अनुभाग के प्रभारी वरिष्ठ सहायक के रूप में तैनात था। आरोप है कि उसने 2023 से संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति (एमएसीपी) और संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति (आरएसीपी) योजनाओं के तहत फर्जी बिल बनाकर 2.60 करोड़ रुपए से अधिक की सरकारी धनराशि का गबन किया। ओडिशा विजिलेंस के अनुसार, विस्तृत सत्यापन और जांच में पता चला कि बबलू सुना ने एमएसीपी और आरएसीपी योजनाओं के तहत फर्जी एरियर बिल बनाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया। विजिलेंस ने रविवार को एक बयान में कहा, ‘सुनावेड़ा वन्यजीव प्रभाग के पूर्व, सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारियों की साख और पहचान का उपयोग करके फर्जी बिलों को संसाधित किया गया ताकि सार्वजनिक धन को उसके परिवार के सदस्यों (पत्नी, भाई, बहन और दो करीबी सहयोगियों) के निजी बैंक खातों में भेजा जा सके।’ जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने कथित तौर पर अपने वैध अधिकार से अधिक समय-समय पर वेतन वृद्धि हासिल करने के लिए आधिकारिक रिकॉर्ड में हेरफेर किया।

वियतनाम के सैन्यदल का तीन शहरों में दौरा, आर्मी ट्रेनिंग व शिक्षा के अनुभव किए साझा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वियतनाम की पीपुल्स आर्मी के 10 युवा अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल बीते दिनों भारत के दौर पर रहा, जहां भारत और वियतनाम की सेनाओं के युवा अधिकारियों ने एक-दूसरे के अनुभवों को करीब से समझा।

रविवार को साझा की गई एक जानकारी में सेना ने बताया कि यह यात्रा युवा अधिकारी आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आयोजित की गई। इस दौरान वियतनामी अधिकारियों ने पुणे, अहिल्यानगर और देवलाली का भ्रमण किया। सेना के मुताबिक वियतनामी दल ने विभिन्न रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा करने के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों की भी देखा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच पेशेवर संवाद बढ़ाना, एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझना और आपसी विश्वास को मजबूत करना था। वियतनाम के सैन्य दल को जुड़ी



व्यवस्थाओं को जानने के साथ दोनों देशों के अधिकारियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर मिला। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे संवाद से सैन्य पेशेवर समझ बढ़ाने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर विकसित करने में मदद मिलती है।

भारत और वियतनाम के बीच युवा अधिकारियों का यह आदान-प्रदान दोनों देशों की सेनाओं के पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सबूत है। यह यात्रा आपसी समझ, सौहार्द आर्मी ट्रेनिंग और शिक्षा से जुड़ी

की साझा प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है। इन अधिकारियों ने पुणे के खड़कवासला स्थित अकादमी की विशिष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था को समझा।

यहां भारत की थलसेना, नौसेना व वायुसेना के कैडेट एक साथ सैन्य प्रशिक्षण लेते हैं। इन सैन्य कर्मियों में महिला कैडेट भी शामिल हैं। वियतनाम के सैन्य अधिकारियों की यह यात्रा भारत और वियतनाम के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

तेलंगाना जल्द लाएगा एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी 2.0, सीएम रेवंत रेड्डी ने किया ऐलान

विश्व केसरी■

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार जल्द ही एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी 2.0 लाने जा रही है। इसका मकसद डिफेंस सेक्टर में बड़े निवेश को आकर्षित करना और हैदराबाद को डिफेंस रिसर्च के लिए सबसे बेहतरीन जगह के तौर पर प्रमोट करना है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने यह जानकारी दी।



शनिवार रात ‘रक्षा एक्सपो’ के कर्टेन रोज कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का विजन ‘रक्षा एक्सपो’ को एक अंतरराष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित करना है, जहां डिफेंस सेक्टर से जुड़े सभी हितधारक साथ आएँ और सार्थक बातचीत हो सके।

बता दें कि ‘रक्षा एक्सपो’ का आयोजन ‘इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट’ के तहत 7 से 9 दिसंबर को हैदराबाद के भारत पब्लिकर सिटी में किया जाएगा। सीएम रेड्डी ने कहा कि ‘रक्षा एक्सपो’ एक प्रमुख मंच

के रूप में काम करेगा, जो ग्लोबल ओरिजिनल इन्वैस्टमेंट मैनुफैक्चरर्स (ओईएम) और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को एक साथ लाएगा। सरकार इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ रक्षा और सुरक्षा अधिकारियों, विशेषज्ञों और स्टार्टअप्स से इन्वेटिव आइडियाज और अत्याधुनिक तकनीकों को लाने की उम्मीद कर रही है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले साल आयोजित समिट का पहला संस्करण बड़ी सफलता रहा

था। उन्होंने कहा कि भारत के भीतर हैदराबाद की रणनीतिक और महत्वपूर्ण स्थिति है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद एक असाधारण रूप से सुरक्षित शहर है और यहां कई महत्वपूर्ण रिसर्च संस्थान हैं। इसके अलावा भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना के कई महत्वपूर्ण रणनीतिक केंद्र भी यहीं स्थित हैं।

भले ही तेलंगाना दक्षिण भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसकी कोई तटरेखा नहीं है, फिर भी यह भारतीय नौसेना को महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है।

बंगाल की खाड़ी में पनडुब्बियों और हवाई खतरों से निपटने का अभियान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में भारतीय और सिंगापुर की नौसेनाएं अपनी समुद्री युद्ध क्षमता व समन्वय प्रदर्शित कर रही हैं। दोनों देशों के युद्धपोत पनडुब्बियों का पता लगाने, दुश्मन के जहाजों से मुकाबला करने और हवाई हमलों के विरुद्ध कार्रवाई करने का अभ्यास कर रहे हैं। द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास ‘सिम्बेक्स-2026’ के समुद्री चरण में यह अभियान शुरू किया गया है। 26 अक्टूबर को इस अभियान का अंतिम दिन है। इस अभ्यास में दोनों नौसेनाएं बिलकुल वास्तविक ऑपरेशनल परिस्थितियों के अनुरूप सामरिक गतिविधियों को अंजाम दे रही हैं।

यह इस अभ्यास का दूसरा और आखिरी चरण है। 24 अक्टूबर को प्रारंभ हुआ यह समुद्री अभ्यास 26 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी में



जारी रहेगा। समुद्री चरण के दौरान दोनों नौसेनाएं अपनी परिचालन क्षमताओं को परख रही हैं। इसमें पनडुब्बियों का पता लगाने और उनसे निपटने, दुश्मन के सतही जहाजों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा हवाई खतरों का मुकाबला करने का अभ्यास किया जा रहा है। जहाजों के संचालन और विभिन्न सामरिक युद्धाभ्यास के जरिए दोनों नौसेनाएं समुद्र में आपसी तालमेल को भी मजबूत कर रही हैं।

यह अभ्यास 21 अक्टूबर को

विशाखापत्तनम में शुरू हुआ था। इसमें हिस्सा लेने के लिए सिंगापुर नौसेना का युद्धपोत आरएसएस सुप्रीम विशाखापत्तनम पहुंचा था। उद्घाटन समारोह भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि और आईएनएस कमोर्टी पर आयोजित किया गया था। इसमें पूर्वी नौसेना कमान के मुख्य स्टाफ अधिकारी (संचालन), सिंगापुर नौसेना के ब्रेड़ा कमांड और दोनों देशों की नौसेनाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की गारमेंट मैनुफैक्चरिंग यूनिट की विनिर्माण इकाई से 1,000 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

विश्व केसरी■

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वाराणसी में अरविंद लिमिटेड की अत्याधुनिक गारमेंट मैनुफैक्चरिंग यूनिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। लगभग 150 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह इकाई उत्तर प्रदेश में अरविंद लिमिटेड की पहली विनिर्माण इकाई है। इससे 1,000 से अधिक



लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं की होगी।

5.5 एकड़ क्षेत्रफल में फैले इस संयंत्र का कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 65,000 वर्ग फुट है। यहां

उन्नत स्वचालित सिलाई तकनीक के माध्यम से निटवियर यानी बुने हुए कपड़ों से बने परिधानों का निर्माण किया जाएगा। संयंत्र की संभावित राजस्व क्षमता 250 करोड़ रुपये बताई गई है। इस

परियोजना से वाराणसी में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी सृजित होंगे। उद्घाटन समारोह में अरविंद लिमिटेड के चेयरमैन संजय लालभाई, वाइस चेयरमैन पुनीत लालभाई और वाइस चेयरमैन कुलिन लालभाई ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कंपनी के पदाधिकारियों के साथ और वहां उपलब्ध आधुनिक उत्पादन सुविधाओं का

अवलोकन किया। अरविंद लिमिटेड के चेयरमैन संजय लालभाई ने कहा कि प्रधानमंत्री के हाथों इस इकाई का उद्घाटन होना कंपनी के लिए गौरव का विषय है। लालभाई समूह की यात्रा वर्ष 1897 में शुरू हुई थी और इसका इतिहास भारत की औद्योगिक प्रगति से गहराई से जुड़ा रहा है। कस्तूरभाई लालभाई की संस्थान निर्माण की दूरदर्शी सोच से प्रेरित होकर समूह ने ऐसे उद्यमों में निवेश किया है, जो आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं।

यूपी में चकबंदी व्यवस्था को मिली रफ्तार, पिछले 8 वर्षों में 21 लाख से अधिक वादों का निस्तारण

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चकबंदी व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया गया है। चकबंदी निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2025 तक चकबंदी प्रक्रिया पूरी करने वाले गांवों की संख्या में बड़े स्तर पर वृद्धि हुई है। साथ ही चकबंदी न्यायालयों के कंप्यूटरीकरण और वादों के निस्तारण में भी प्रगति दर्ज की गई है।

इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों की भूमि से जुड़े मामलों को व्यवस्थित करना और राजस्व अभिलेखों को समय से संबंधित तहसीलों तक पहुंचाना है। भूमि संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और किसानों से जुड़े राजस्व 2017 में प्रदेश के 1,925 गांवों में



चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई थी। वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 3,192 गांव हो गई। इन गांवों में चकबंदी की प्रक्रिया पूरी कर अभिलेख संबंधित तहसीलों को वापस किए गए। इससे भूमि संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और किसानों से जुड़े राजस्व कार्यों को आगे बढ़ाने में मदद मिली है।

चकबंदी न्यायालयों में वादों के निस्तारण के मामले में भी प्रगति हुई है। वर्ष 2017 में 12.55 लाख से अधिक वादों के निस्तारण की स्थिति थी, जबकि वर्ष 2025 तक यह संख्या बढ़कर 21.12 लाख से अधिक हो गई। निदेशालय के मुताबिक, विगत आठ वर्षों में कुल 21 लाख 12 हजार 784 वादों का निस्तारण किया गया। भूमि विवादों के समाधान की दिशा में

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चकबंदी व्यवस्था को तकनीक से जोड़ने के लिए न्यायालयों के कंप्यूटरीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया।

वर्ष 2017 में इस मद में स्थिति शून्य थी, जबकि वर्ष 2025 तक 531 न्यायालयों का कंप्यूटरीकरण किया गया।

फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप: भारत ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, कड़े मुकाबले में कैमरून को 2-1 से हराया



विश्व केसरी ■
बाकू। भारत ने फीफा अंडर-15 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखी है। रविवार को होवसन कॉम्पिटिशन कॉम्प्लेक्स पर खेले गए ग्रुप (के) के अपने दूसरे मैच में भारत ने कैमरून को 2-1 से हरा दिया।

मैच की शुरुआत में ही फरेल नोबो (1') के 'आत्मघाती गोल' (अपनी ही टीम के गोल में गेंद डालना) की बदौलत भारतीय टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। हालांकि, हाफ-टाइम के करीब (20वें मिनट में) मोहम्मद सोहिल खान के 'आत्मघाती गोल' की

वजह से कैमरून ने स्कोर बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में आर. लालरेमरूआतफेला (27वें मिनट') ने गोल करके भारत को फिर से बढ़त दिला दी। वहीं, गोलकीपर जेनित निंगथीजाम ने कई शानदार बचाव किए, जिसमें एक पेनल्टी भी शामिल रही। अब ग्रुप (के) में भारत इकलौती ऐसी टीम है जिसने अपने दोनों मैच जीते हैं। बारिश के बावजूद, भारत ने शुरुआत से ही अपना प्रभाव दिखाया। पहले ही मिनट में दीपक सिंह आरामवम की कॉर्नर किック से कैमरून के बॉक्स में अफरा-तफरी मच गई। इस

दौरान नोबो ने गेंद को हेडर से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके अपने ही गोल में चली गई।

कैमरून ने धीरे-धीरे दबाव बढ़ाना शुरू किया, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने डटकर बचाव किया। उन्होंने 'वन-ऑन-वन' (आमने-सामने) की स्थितियों में विरोधी खिलाड़ियों को रोके रखा और समय रहते स्लाइडिंग टैकल करके अपनी बढ़त को बरकरार रखा। भारतीय टीम ने 14वें मिनट में अपनी बढ़त को लगभग दोगुना कर लिया था। दीपक की किक्-इन से कैमरून के डिफेंस में फिर से

उलझन पैदा हो गई और गोलकीपर सनी-हैनसेल न्देह गेंद को पकड़ने में नाकाम रहे। डिफेंस गेंद को क्लियर नहीं कर पाया और गोलकीपर भी अपनी जगह से बाहर थे, ऐसे में कप्तान आर. लालरेमरूआतफेला ने खाली पड़े गोल की तरफ शॉट मारा, लेकिन आखिरी मौके पर एक ब्लॉक ने उन्हें गोल करने से रोक दिया।

कैमरून ने लगातार भारत के गोल पर खतरा बनाया, लेकिन गोलकीपर जेनित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को बचाए रखा। 16वें मिनट में उन्होंने कैमरून की प्री-किक् को बेहतरीन तरीके से रोक दिया। एक मिनट बाद उन्होंने रैंडी नोमे के बॉक्स के अंदर से लगाए गए शॉट को गोल होने से बचाया। 18वें मिनट में भी जेनित ने शानदार बचाव किया और नदाम मोखार के आमने-सामने वाले मौके को मुश्किल एंगल से रोककर भारत को राहत दिलाई।

दूसरी तरफ भारत लगातार दबाव बनाए हुए था। 19वें मिनट में दीपक ने बॉक्स के किनारे से गेंद को नेट के किनारे (साइड नेटिंग) पर मारा। हालांकि, 20वें मिनट में कैमरून को बराबरी का गोल मिल गया, जब दाई ओर से मोखार का क्रॉस मोहम्मद सोहिल खान से टकराकर नेट में चला गया, जिससे यह एक 'आत्मघाती गोल' (अपनी ही टीम के खिलाफ गोल) बन गया।

भारत ने दूसरे हाफ की शुरुआत नए इरादे के साथ की और हाफ टाइम के बाद रोनादेव अहेइबाम को मैदान पर उतारा। इस सबिस्ट्यूट खिलाड़ी ने आते ही अपना असर दिखाया। 27वें मिनट में मिडफील्ड में एक जोरदार टैकल के जरिए गेंद अपने कब्जे में ली और फिर उसे दीपक की तरफ बढ़ा दिया। दीपक ने बॉक्स के अंदर एक सटीक 'लो क्रॉस' दिया, जिस पर लालरेमरूआतफेला ने बेहतरीन संयम दिखाते हुए अपने बाएं पैर से पहली ही कोशिश में गेंद को नेट के निचले कोने में पहुंचा दिया और भारत को फिर से बढ़त दिला दी।

31वें मिनट में कैमरून को पेनल्टी मिली, क्योंकि बॉक्स के बाहर से आए एक शॉट को नारा मेइतेई लीशबम ने हाथ से रोक लिया था। हालांकि, जेनित ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 32वें मिनट में हारोना अब्दौले की 'स्पॉट-किक्' (पेनल्टी) को बचाकर भारत की बढ़त को कायम रखा।

मैच के अंतिम क्षणों में भी भारत हावी रहा। 33वें मिनट में रोनादेव ने बॉक्स के दाई ओर से एक जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर नदेह की परीक्षा ली।

अनौपचारिक टेस्ट : देवदत्त पडिवक्कल का अर्धशतक, दूसरी पारी में भारत ने 2 विकेट खोकर बनाए 106 रन



विश्व केसरी ■
लंकन। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच पहला अनौपचारिक टेस्ट मैच लंकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 2 विकेट खोकर 106 रन बना लिए हैं।

भारतीय टीम न्यूजीलैंड ए द्वारा पहली पारी के आधार पर ली गई बढ़त से अभी भी 98 रन पीछे हैं। दूसरी पारी में भी भारत ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए, जबकि केएल राहुल 4 रन बनाने के बाद हिट विकेट हो गए। हालांकि, इसके बाद टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को देवदत्त पडिवक्कल और साई सुदर्शन ने बखूबी संभाला।

दोनों ने स्ट्रंस होने तक भारतीय टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। पडिवक्कल अच्छी

रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। टीम की ओर से कप्तान रीस मारियू ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 76 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, टिम रॉबिन्सन और जेडेन लेनॉक्स बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैथ्यू बॉयल भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 17 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, न्यूजीलैंड ए की तरफ से डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 51 रनों की अहम पारी खेली, जबकि क्रिस्टियन क्लार्क ने 67 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया। मिचेल हे ने 24 रन बनाए।



रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 गेंदों में 96 रनों की अटूट साझेदारी हो चुकी है। इससे पहले, न्यूजीलैंड ए की पूरी टीम पहली पारी में 317 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम ने पहली इनिंग के आधार पर 204 रन बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। नवी और अंशुल कंबोज सबसे सफल गेंदबाज रहे और दोनों ने दो-दो विकेट निकाले। आकाशदीप 2 विकेट चटकाने में कामयाब रहे, जबकि मुकेश चौधरी और वांशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट झटका।

अल्माटी ओपन: युकी भांबरी-रयान सेगरमैन की जोड़ी ने जीता 'मैस डबल्स' का खिताब

विश्व केसरी ■
अल्माटी। भारत के युकी भांबरी और अमेरिका के रयान सेगरमैन की जोड़ी ने रविवार को एटीपी 250 अल्माटी ओपन में मैस डबल्स का खिताब अपने नाम किया। इस जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रिया के लुकास मीडलर और नील ओबरलैटरन को तीन सेटों में हराया।

1 घंटे 26 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने अल्माटी एरिना में 7-6(3), 6-7(1), [10-2] से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। यह भांबरी का पांचवां एटीपी टूर खिताब है।

पहला सेट काफी कड़ा रहा, जिसमें दोनों टीमों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी सर्विस बरकरार रखी। अंत में, सेट का फैसला टाईब्रेक में हुआ, जहां भांबरी और सेगरमैन ने 7-3 से जीत हासिल की। दूसरे सेट में ऑस्ट्रियाई जोड़ी ने वापसी की और टाईब्रेक में 7-1 से दबदबा बनाते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया, जिससे मुकाबला निर्णायक टाईब्रेक तक पहुंचा।

निर्णायक टाईब्रेक में भांबरी और सेगरमैन ने शुरुआत से ही खेल

पर नियंत्रण बना लिया। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10-2 से जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया। इस दौरान, भारतीय-अमेरिकी जोड़ी ने छह ऐसे लगाए और केवल एक डबल फॉल्ट किया। उनके ऑस्ट्रियाई प्रतिद्वंद्वियों ने तीन ऐसे लगाए और एक डबल फॉल्ट किया।

मार्च में, भांबरी ने इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर अपने करियर का पहला सेमीफाइनल खेला था। इससे पहले वे मास्टर्स 1000 स्तर पर दो बार डबल्स के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। उनके पिछले दो क्वार्टर फाइनल इंडियन वेल्स (गोरानसन के साथ) और मियामी मास्टर्स (नुनो बोर्जेस के साथ) में थे। फरवरी में भांबरी एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर 20 रैंकिंग पर पहुंचे थे। इसके साथ ही वह रोहन बोपन्ना के बाद पुरुष युगल में विश्व के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

भारतीय खिलाड़ी 2025 सत्र से लगातार प्रगति कर रहे हैं। उसी वर्ष उन्होंने न्यूजीलैंड के माइकल वीनस के साथ मिलकर यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

जेरेमी लालरिनुंगा: 19 साल की उम्र में कॉमनवेल्थ में गोल्ड जीतने वाले वेटलिफ्टर का करियर इंजरी ने थामा

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारतीय वेटलिफ्टिंग की दुनिया में जेरेमी लालरिनुंगा का नाम बविष्य के एक बड़े सितारे के रूप में देखा जाता है। 2022 में उन्होंने पूरे भारत को एक नई उम्मीद दी थी, लेकिन इंजरी ने उनके करियर को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

जेरेमी लालरिनुंगा का जन्म 26 अक्टूबर 2002 को आइजोल, मिजोरम में हुआ था। उनके पिता एक जाने-माने बॉक्सर थे, लेकिन कमजोर आर्थिक स्थिति की वजह से वह इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सके। जेरेमी भी बॉक्सिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते थे, लेकिन अपने दोस्तों को वेटलिफ्टिंग का अभ्यास करते देख, उन्हें इस खेल में रुचि जगी और फिर इसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का निर्णय उन्होंने लिया। इसमें उन्हें अपने पिता का पूरा सहयोग मिला। जेरेमी ने आर्मी स्पोर्ट्स के सेलेक्शन ट्रायल में हिस्सा लिया, जिसमें सफल रहे। इसके बाद वह ट्रेनिंग के लिए पुणे शिप्ट हो गए।

जेरेमी ने 13 साल की उम्र में



जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2016 के 56 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद एशियन जूनियर चैंपियनशिप में सिल्वर जीतकर उन्होंने नेशनल कैंप में जगह बनाई। अगले साल जेरेमी ने कॉमनवेल्थ यूथ और जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। 2018 में उन्होंने ब्यूनस आयर्स के यूथ ओलंपिक में गोल्ड अपने नाम किया। वह यूथ

इंजरी आ गई। इसके बावजूद उन्होंने बर्मिंघम में 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालीफाई किया और मात्र 19 साल की उम्र में गोल्ड जीता। जेरेमी ने 67 किग्रा भारवर्ग में गोल्ड जीता था।

जेरेमी लालरिनुंगा ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में महज 19 साल की उम्र में गोल्ड जीता था। इस सफलता के बाद उनकी लोकप्रियता पूरी दुनिया में फैल गई। उन्हें वेटलिफ्टिंग की दुनिया का अगला बड़ा सितारा माना जाने लगा। देश को भी उनसे ओलंपिक जैसे बड़े इवेंट में पदक की उम्मीद बढ़ी, लेकिन जेरेमी के लिए पिछले कुछ साल बेहद मुश्किल और निराशाजनक रहे हैं। इंजरी ने उनके करियर को बुरी तरह प्रभावित किया है। इंजरी ने उनके करियर को आगे बढ़ने से रोक दिया है।

वह पूर्व में भी कई बार इंजरी को मात देकर जोरदार वापसी कर चुके हैं। 24 साल के होने जा रहे इस युवा वेटलिफ्टर से देश को एक बार फिर से जोरदार वापसी की उम्मीद है।

जीत आसान नहीं होगी, हम कोशिश करेंगे: किमी एंटोनेली



विश्व केसरी ■
ऑस्टिन। मर्सिडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली ने कहा कि ऑस्टिन में क्वालीफाईंग में सरप्राइज पोल जीतने के बाद रविवार को यूनाइटेड स्टेट्स ग्रेंड प्रिक्स में उन्हें रेड बुल से चुनौती मिलेगी।

एंटोनेली ने रेड बुल के मैक्स वर्स्टेपेन को 0.179 सेकंड से हराकर क्यू3 टाइमशीट में टॉप किया। उनके पास ऑस्टिन में सबसे कम उम्र के एफ1। चैंपियन बनकर इतिहास रचने का मौका है, और उन्हें न सिर्फ अपनी जीत चाहिए, बल्कि कुछ नतीजे भी अपने पक्ष में करने होंगे।

ऑस्टिन में रेड बुल और फेरारी के चुनौती देने के साथ, एंटोनेली के लिए रेस जीतना भी आसान नहीं है, क्योंकि वर्स्टेपेन और उनके टीममेट इसाक हडजर टाइटल लीडर के बाद शुरू करते हैं। क्वालीफाईंग से खुश एंटोनेली ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूँ। यह एक अच्छा क्वालीफाईंग था। क्वीन रन ने मोमेंटम बनाने में मदद की। हमने कोई गलती नहीं की, और मैं इससे बहुत खुश हूँ। मुझे कार में अच्छा लगा, खासकर क्यू3 में। हवा के साथ यह मुश्किल था क्योंकि हर कोने पर संतुलन काफी बदल रहा था, लेकिन आखिरी लैप अच्छा लग रहा था। मैंने थोड़ा जोर लगाया और बस हार गया, जो शर्म की बात थी। मैं परिणाम से बहुत खुश हूँ और कल का इंतजार कर रहा हूँ।'

‘भगवान के पास हर चीज के लिए हमेशा एक सही समय होता है’, दूसरे टी20 में दमदार प्रदर्शन पर बोले तिलक-नीतीश

विश्व केसरी ■
क्राइस्टचर्च। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली शानदार जीत पर चर्चा की। दोनों ने एक-दूसरे के प्रदर्शनों की तारीफ की और इस जीत के महत्व को रेखांकित किया।

हैदराबाद के ये दोनों खिलाड़ी हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए उस टी20 इंटरनेशनल मैच का हिस्सा थे, जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में 248 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वे चमत्कारिक जीत नहीं दिला सके थे, लेकिन शनिवार को कोवी टीम के खिलाफ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की।

तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए, जबकि नीतीश ने 13 गेंदों पर नाबाद 26 रनों का योगदान दिया। इससे पहले, लक्ष्य का पीछा



करते हुए नमन धीरे ने 17 गेंदों पर 31 रन बनाकर टीम के लिए उम्मीद जगाई। तिलक और नीतीश ने हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार का जिक्र किया, लेकिन साथ ही कहा कि 'भगवान के पास हर चीज के लिए हमेशा एक सही समय होता है।' क्राइस्टचर्च में उनकी 69 रनों की नाबाद साझेदारी

ने भारतीय टीम को 181 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक यादगार जीत दिलाने में मदद की। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में जीत के बाद नीतीश ने बातचीत की शुरुआत करते हुए कहा, 'दोस्तों, आज मेरे साथ 'प्लेयर ऑफ द मैच' हैं।' इस पर तिलक ने तुरंत जवाब दिया,

‘और आज मेरे पास 'गेम चेंजर ऑफ द मैच' है।' दोनों ने अपनी उस साझेदारी के बारे में बात की, जो मैच जिताने वाली साबित हुई। नीतीश ने पूछा, 'तिलक, बताओ, मैदान पर हमारी साझेदारी के दौरान तुम्हें कैसा लगा?' मुझे तो यह बहुत ही शानदार लगा।'

तिलक ने कहा, 'मुझे भी बहुत

अच्छा लगा। हैदराबाद में भी हम दोनों यही सोच रहे थे कि अगर हम दोनों तेलुगु खिलाड़ी मैदान पर टिके रहें, तो शायद मैच जीत सकते हैं। हालांकि, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूँ, ईश्वर के पास हमारे लिए हमेशा सही समय होता है। हमें बस अपनी प्रक्रिया का पालन करते रहना है और कड़ी मेहनत करनी है। सही चीजें सही समय पर अपने आप हो जाएंगी।'

दूसरा टी20 मैच उसी पिच पर खेला गया जिस पर पहला मुकाबला हुआ था। पिच काफी टूटी दिख रही थी, जिससे गेंद गिर हो रही थी और बल्लेबाजों के लिए अपने शॉट्स खेलना मुश्किल हो रहा था। इसके अलावा, मैदान की बाउंड्री भी काफी बड़ी थी, जिससे छक्के लगाना मुश्किल हो गया था।

तिलक ने कहा, 'मुश्किल हालात और बड़े मैदान की वजह से, मुझे लगता है कि आज विकेट काफी चुनौतीपूर्ण था। मैदान बड़ा था और पिच थोड़ी धीमी थी।

बुंडेसलीगा: आखिरी मिनट में बेयर के किए गए गोल से डॉर्टमुंड ने फ्रैंकफर्ट को हराया

विश्व केसरी ■
बर्लिन। सब्स्टिट्यूट मैक्सिमिलियन बेयर के आखिरी मिनट में किए गए गोल की मदद से बोरुसिया डॉर्टमुंड ने आईट्यूब फ्रैंकफर्ट को 1-0 से हराकर अगले सप्ताह डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न म्यूनिख के साथ होने वाले मुकाबले से पहले बुंडेसलीगा में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

डॉर्टमुंड ने सिग्नल इडुना पार्क में शानदार शुरुआत की, जिसमें सेरहो गुइरासी ने दो बार बढ़त बनाने की कोशिश की। फ्रैंकफर्ट के गोलकीपर नोआ अतुबोलू ने 15वें मिनट में एक तेज बचाव करके स्ट्राइकर को रोक़ा और कुछ देर बाद लॉब की कोशिश को नाकाम कर दिया।

विजिटर्स ने धीरे-धीरे मुकाबले में वापसी की और अपने लिए मौके बनाने शुरू कर दिए। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, जोनाथन बर्काइट ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन फैलिक्स नेमेचा की गलती के बाद यूनेस एबनौतालिब ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन ग्रेगर कोबेल ने उन्हें रोक दिया।



हाफटाइम से पहले डॉर्टमुंड गोल करने के सबसे करीब तब पहुंचा जब 31वें मिनट में फ्रैंकफर्ट के डिफेंडर ननामी की कॉलिस से डिफ्लेक्ट होने के बाद डेनियल स्वेन्सन का शॉट क्रॉसबार से टकराया।

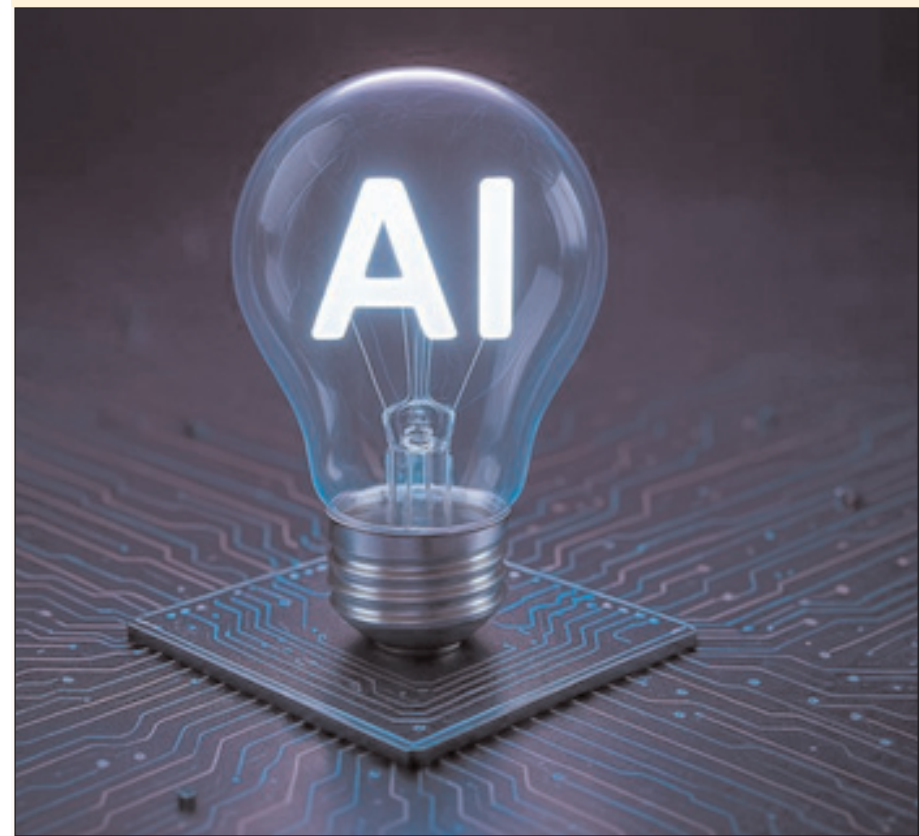
53वें मिनट में गुइरासी ने पास से क्रॉसबार पर हेडर मारा। बढ़ते दबाव के बावजूद, मेजबान टीम अपने दबाव को गोल में बदलने के लिए संघर्ष करती रही, गुइरासी और सब्स्टिट्यूट एथन नवानेरी गोल नहीं कर पाए।

निको कोवाक के सब्स्टिट्यूट आखिरकार अहम साबित हुए। 80वें मिनट में, जोबे बेलिंघेम ने पेनल्टी एरिया के किनारे के पास साथी सब्स्टिट्यूट बेयर को चुना और फोरवर्ड ने एक जोरदार शॉट टॉप-राइट कॉर्नर में मारा। फ्रैंकफर्ट जवाब देने में नाकाम रहा, क्योंकि डॉर्टमुंड ने अपनी छोटी बढ़त बचा ली।

कोवाक ने कहा, 'आज हमें अपने दबाव को गोल में बदलने के लिए संघर्ष करती रही, गुइरासी और सब्स्टिट्यूट एथन नवानेरी गोल नहीं कर पाए।

निको कोवाक के सब्स्टिट्यूट

एआई वैश्विक अर्थव्यवस्था में सालाना 2.5 ट्रिलियन डॉलर का दे सकता है योगदान : रिपोर्ट



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मौजूदा कार्य प्रक्रियाओं को स्वचालित और अधिक प्रभावी बनाकर दुनियाभर में सालाना 2.52 ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक मूल्य पैदा कर सकता है।

हालांकि, एआई के इस्तेमाल की बढ़ती लागत इन लाभों को काफी हद तक कम कर सकती है। कंसल्टिंग कंपनी मैकिन्से की एक नई रिपोर्ट में यह बात कही। 'द एआई वैल्यू कवः द इकोनॉमिक्स ऑफ अप्लाईंग एआई

टू एमिजस्टिंग वर्क' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में एआई तकनीकों को तेजी से अपनाने और संगठनों द्वारा वास्तव में हासिल किए जा रहे आर्थिक लाभों के बीच बढ़ते अंतर को उजागर किया गया है। अध्ययन के अनुसार, कई

कंपनियां यह पर्याप्त रूप से आकलन किए बिना एआई लागू करने को प्राथमिकता दे रही हैं कि इस तकनीक से निवेश पर पर्याप्त रिटर्न मिल रहा है या नहीं।

मैकिन्से का अनुमान है कि एआई को लागू करने की प्रभावी लागत में 30 प्रतिशत की वृद्धि होने से सालाना आर्थिक मूल्य में 850 अरब डॉलर तक की कमी आ सकती है। ऐसी स्थिति में, इस तकनीक का अनुमानित वैश्विक आर्थिक प्रभाव घटकर सालाना 2.52 ट्रिलियन डॉलर से 1.67 ट्रिलियन डॉलर रह जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में भी यदि लागत इसी अनुपात में बढ़ती है, तो एआई से पैदा होने वाला सालाना आर्थिक मूल्य 960 बिलियन डॉलर से घटकर 640 बिलियन डॉलर रह सकता है। मैकिन्से ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े भविष्य के परिणामों का पूर्वानुमान नहीं, बल्कि एक मॉडल पर आधारित संभावित परिदृश्य हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है,

जब कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म और ऑटोमेशन तकनीकों पर भारी खर्च कर रही हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2030 तक एआई इंफ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक निवेश लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच

सकता है। इस खर्च को उचित ठहराने के लिए सालाना करीब 760 ट्रिलियन डॉलर के मुनाफे की आवश्यकता होगी।

विभिन्न उद्योगों में वित्तीय सेवाओं को एआई अपनाने से सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। इस क्षेत्र में सालाना 530 बिलियन डॉलर के आर्थिक लाभ का अनुमान लगाया गया है।

शिक्षा क्षेत्र 410 बिलियन डॉलर के संभावित लाभ के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद प्रौद्योगिकी, मीडिया और दूरसंचार क्षेत्र का स्थान है, जहां सालाना 360 बिलियन डॉलर का आर्थिक लाभ होने का अनुमान है। वहीं, एआई आधारित अनुप्रयोगों के जरिए स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र सालाना लगभग 310 बिलियन डॉलर का मूल्य पैदा कर सकता है।

रिपोर्ट में इस धारणा को भी चुनौती दी गई है कि एआई की मुख्य भूमिका कम वेतन वाले कर्मचारियों की जगह लेना है। इसके बजाय, रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई से सबसे आकर्षक आर्थिक अवसर कानून, स्वास्थ्य सेवा, प्रबंधन और कंप्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में उच्च कौशल वाले पेशेवरों को सहायता देने में मिल सकते हैं। इन क्षेत्रों में यह तकनीक उत्पादकता बढ़ाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद कर सकती है।

सर्दियों में सेहत का रखें खास ख्याल, इन चीजों को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। ठंड के दिनों में गर्मागर्म खाना, चाय और मौसमी चीजें खाने का अपना ही मजा है। हालांकि इस मौसम में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है। सही खानपान न केवल शरीर को पोषण देने में मदद करता है बल्कि ठंड के दिनों में आपको आरामदायक महसूस कराने में भी सहायक हो सकता है। ऐसे में ताजा बना गर्म खाना, स्थानीय अनाज और मौसमी फल-सब्जियों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना अच्छा विकल्प है। सर्दियों में कोशिश करें कि आप ताजा बना और गर्म भोजन खाएं। इस मौसम में गर्म दाल, सब्जी, सूप, दलिया और खिचड़ी

जैसे विकल्प शरीर को पोषण देने के साथ खाने में भी अच्छे लगते हैं। सुबह और शाम के समय गर्म पेय पदार्थ लेना भी आरामदायक महसूस करा सकता है। आप अपनी पसंद के अनुसार गुनगुना पानी, सूप या बिना ज्यादा चीनी वाली गर्म चाय ले सकते हैं। हालांकि, ध्यान रखें कि पेय पदार्थ बहुत ज्यादा गर्म न हों।

सर्दियों में स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थों को खाने की सलाह दी जाती है। बाजरा, ज्वार, मक्का, जौ और रागी जैसे अनाज डाइट में शामिल किए जा सकते हैं। इनमें फाइबर और दूसरे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो संतुलित आहार का हिस्सा बन सकते हैं। इनसे बनी रोटी, दलिया और दूसरे

व्यंजन खाने में स्वादिष्ट होने के साथ पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में भी मदद करते हैं।

इसके अलावा, दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां और मौसमी फल भी अपनी डाइट में शामिल करें। संतुलित भोजन से शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और प्रोटीन मिलते हैं। कोशिश करें कि रोजाना की थाली में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल हों।

सर्दियों में गुड़ और शहद जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल कई घरों में किया जाता है। गुड़ से बने लड्डू, चिक्की और दूसरे पारंपरिक व्यंजन इस मौसम में खूब पसंद किए जाते हैं। वहीं, कुछ लोग गर्म पेय पदार्थों में शहद का

वीरभद्रासन में न करें ये गलतियां, जान लें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। योग शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखने का एक अच्छा तरीका है। नियमित रूप से योग करने से शरीर में लचीलापन बढ़ता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। योग के कई आसनों में वीरभद्रासन भी शामिल है। यह आसन पैरों को मजबूती देने, शरीर का संतुलन सुधारने और कंधों को सक्रिय रखने में मदद करता है। हालांकि, इस आसन को करते समय सही मुद्रा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। छोटी-सी गलती भी घुटनों, कंधों और कमर पर अनावश्यक दबाव डाल सकती है। वीरभद्रासन करते समय कई लोग अपनी भुजाओं को ढीला छोड़ देते हैं या कंधों को कानों की तरफ उठा लेते हैं। इससे शरीर की मुद्रा



बिगड़ सकती है। इस आसन में दोनों भुजाओं को सक्रिय रखते हुए जमीन के समानांतर फैलाना चाहिए। साथ ही, कंधों को कानों से दूर रखना चाहिए। एक आम गलती आगे वाले घुटने को गलत दिशा में मोड़ना है। कुछ लोग घुटने को टखने से आगे निकाल देते हैं, जबकि कुछ का घुटना अंदर की ओर झुक जाता है। इससे घुटने पर अतिरिक्त दबाव

पड़ सकता है। इसलिए आगे वाले घुटने को टखने के ठीक ऊपर रखें। इसके अलावा, शरीर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुका लेना भी सही नहीं है। कोशिश करें कि धड़ सीधा रहे। इस आसन के दौरान शरीर का पूरा भार केवल आगे या पीछे वाले पैर पर डालना भी एक गलती है। दोनों पैरों को मजबूती से जमीन पर टिकाएं और शरीर का भार संतुलित रखें। पीछे वाले पैर को मैट से उठाने के बजाय उसकी पूरी स्थिति को स्थिर बनाए रखें। वीरभद्रासन करने के लिए सबसे पहले मैट पर सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों के बीच उचित दूरी बनाएं और एक पैर को बाहर की

ओर मोड़ें। दूसरे पैर को थोड़ा अंदर की ओर रखें। अब दोनों हाथों को कंधों की ऊंचाई पर फैलाएं, ताकि वे जमीन के समानांतर रहें।

इसके बाद आगे वाले घुटने को मोड़ें और ध्यान रखें कि वह टखने के ठीक ऊपर रहे। पीछे वाले पैर को सीधा रखते हुए उसके तलवे और बाहरी किनारे को मैट पर मजबूती से टिकाएं। छाती खुली रखें, कंधों को नीचे रखें और दोनों कूल्हों को समतल बनाए रखने की कोशिश करें। शरीर का भार दोनों पैरों पर संतुलित रखें और सामने की ओर देखें।

इस मुद्रा में अपनी क्षमता के अनुसार कुछ देर रुकें और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में लौट आएँ। इसके बाद दूसरी तरफ से भी यही प्रक्रिया दोहराएं।

मन की बात: पीएम मोदी ने गिनाई ब्रेन रिसर्च में भारत की उपलब्धि, आईआईटी मद्रास के सेंटर का किया जिक्र

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 139वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विज्ञान, अनुसंधान और मानवता से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। पीएम मोदी ने बताया, 'अक्टूबर की शुरुआत में मैं चेन्नई गया था। वहां मेरी मुलाकात देश के कई वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और युवा प्रतिभाओं से हुई। यह देखकर गर्व समाय सही मुद्रा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। छोटी-सी गलती भी घुटनों, कंधों और कमर पर अनावश्यक दबाव डाल सकती है। वीरभद्रासन करते समय कई लोग अपनी भुजाओं को ढीला छोड़ देते हैं या कंधों को कानों की तरफ उठा लेते हैं। इससे शरीर की मुद्रा

शुद्धि

ISO 9001:2015

गुणवत्ता

ISO 9001:2015

शाली से पहले या शाली के बाद निराश व्यक्ति अवश्य मिले

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त

जब कहीं न हो फायदा तो एक बार जरूर मिले

छत्तीसगढ़ के नं.01 हेल्थसीलेंजिस्ट
Dr. AKSAGAR-BUMS, CVD(MD)-REG. CDD5035

डॉ. सागर

From Raipur

धातू रोग **शुक्राणु की कमी** **शिप्रपतन** **रक्तजोष** **निःसंतान**

मेन ब्रांच : सालेम स्कूल के सामने, मोतीबाग चौक रायपुर (छ.ग.)

BEST AYURVEDIC CHIKITSAK AWARD 2023

8109126351 9425257615

Network COMPUTERS

Wholesale & Retail Shop

कंप्यूटर से जुड़ी हर जरूरत का एक ही नाम...

LAPTOP

• New Laptop

• Refurbished Laptop

• Best Price

• Original with Warranty

DESKTOP

• Branded Desktop

• Custom PC Build

• Home & Office Use

• Upgrade & Service

PRINTER

• Inkjet | Laser | All in One

• Sales & Service

• Original Cartridge & Toner

• Bulk Printing Solutions

CCTV CAMERA

• HIKVISION / CP PLUS / DAHUA

• Installation & AMC

• Home / Office / Shop / Industry

NETWORKING

• Router / Switch / Access Point

• LAN & Wi-Fi Setup

• Network Cabling & Configuration

• Office & Enterprise Solution

INTERACTIVE PANEL

• Smart Class Solution

• Office Presentation

• Interactive Flat Panel

• Projector & Screen

ACCESSORIES

• Keyboard / Mouse

• Headphone / Periscope

• SSD / HDD / UPS / Laptop Bag

• Webcam / Many More...

• GENUINE PRODUCTS

• EXPERT SERVICE SUPPORT

• BEST PRICES

• BUSINESS & BULK SUPPLY

• GOVT. ORDERS (eMIL SUPPLY)

Shop No. FF-30 (1st Floor),
Millenium Plaza, Banstall Road, Raipur (C.G.)

9329100386
07714095051

narad_nishad@rediffmail.com

NX

MODULAR KITCHEN

Luxury Look, Half Price!

मॉड्युलर किचन

मात्र 70 हजार से चालू

Modular Kitchen starts from
50,000/- to 2,50,000/-

MODULAR KITCHEN

15 YEARS WARRANTY

Kuldeep Bhatia
9977115597, 831907666

C-4, S-1, Devendra Nagar,
Near City Center Mall, Raipur

DR. PRAJWAL SONI

M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189170
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

Bade Uria, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
Amapara, Pitaiband Road, Rajim, Garivaband (C.G.)

911677722
7509007388

drprajwalsoni@gmail.com

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टेकर, बैटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य **कृषि कार्य** **ग्रामीण क्षेत्र** **उद्योग एवं प्रोसेसिंग**

सिंचाई एवं बागवानी **किसानों हेतु उपयुक्त**

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गौदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR

फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

• CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट

• फूड लाइसेंस- Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants
C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsapp पर बनवाएं 9300755544, 8878655544

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

City Kotwali Road, Baijnathpara. Raipur.
83700 09993

:H.O.:

• Madarsa Road
Baijnathpara, Raipur.
Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

• Marine Drive,
Telibandha, Raipur
Mo: 83570 09997

खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा उग्र, जेपी नड्डा और शिवराज चौहान समेत बड़े नेताओं ने साधा निशाना

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कथित तौर पर अपशब्द कहने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान और पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मदे प्रधान ने खड़गे की टिप्पणी की कड़ी निंदा की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वर्गीय पिता के प्रति कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की जितनी कड़ी निंदा की जाए, कम है।

उन्होंने कहा कि लगातार चुनावी हार से हताशा कांग्रेस अपनी राजनीतिक खुनस प्रधानमंत्री मोदी और उनके परिवार पर अनर्गल टिप्पणियों के माध्यम से निकाल रही है। देश और दुनिया में मोदी जी की बढ़ती लोकप्रियता और जनता के अटूट विश्वास से उपजी विपक्ष की बौखलाहट अब उसकी भाषा और व्यवहार में स्पष्ट दिखाई दे रही है।

नड्डा ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के जनदेश से चुने गए प्रधानमंत्री और उनके परिवार के प्रति ऐसी अमर्यादित बयानबाजी न केवल राजनीतिक संस्कारों की कमी दर्शाती है, बल्कि देश की जनता का भी अपमान है। लोकतंत्र में राजनीतिक विरोध कीजिए, लेकिन मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं। कांग्रेस को समझना होगा कि नफरत और अपमान की राजनीति से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। देश की जनता ऐसी ओछी राजनीति का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से अवश्य देगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मदे प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस पार्टी की नफरत जगजाहिर है। इसी नफरती सोच



को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वर्गीय पिता को लेकर जो अंध टिप्पणी की है, ये कांग्रेस की गिरती साख और बढ़ती हताशा को दिखाता है।

प्रधान ने कहा कि जिस पद की जिम्मेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों और सार्वजनिक शालीनता को बनाए रखने की है, उसी पद से ऐसी भाषा का इस्तेमाल बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। राजनीतिक विरोध में मर्यादा भूल चुकी कांग्रेस अब नीतियों और

विचारों के आधार पर मुकाबला करने की बजाय केवल व्यक्तिगत अपमान का सहारा ले रही है।

उन्होंने कहा कि पहले प्रधानमंत्री जी की स्वर्गीय माताजी के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद अब उनके दिवंगत पिताजी को लेकर ऐसी टिप्पणी करना कांग्रेस के राजनीतिक आचरण पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कांग्रेस के पास प्रधानमंत्री जी का विरोध करने के लिए मुद्दे और तर्क समाप्त हो चुके हैं ?

पूर्व मंत्री ने कहा कि खड़गे जी, प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता का स्नेह कांग्रेस की बौखलाहट बढ़ा रहा है। मगर ये याद रखिए, जनता का विश्वास कांग्रेस की कुंठा से बढ़ा है और लोकतंत्र में जनदेश का अपमान करके जनसमर्थन कभी हासिल नहीं किया जा सकता।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मन बहुत व्यथित है। मल्लिकार्जुन खड़गे जी जैसे वरिष्ठ नेता से अपेक्षा थी कि वे मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करेंगे। प्रधानमंत्री जी के पूज्य पिताजी के बारे में ऐसी अमर्यादित भाषा भारतीय सभ्यता, संस्कृति, संस्कार, जीवन मूल्यों और शालीनता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि पराजित होते-होते कांग्रेस इतनी बौखला गई है कि अपना मानसिक संतुलन खो बैठी हैं। मैं सोनिया गांधी जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या खड़गे जी ने गांधी परिवार के इशारे पर ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया? यदि नहीं, तो क्या कांग्रेस उनसे इस्तीफा लेगी?

चौहान ने कहा कि पीएम मोदी करोड़ों-करोड़ जनता के हृदय के हार हैं। उनका और उनके परिवार का अपमान देश सहन नहीं करेगा। कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि क्या ऐसी अमर्यादित भाषा राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद की गरिमा के अनुरूप है?

दिल्ली में बिना लाइसेंस चल रही मिठाई बनाने वाली इकाइयों पर एफडीए की छापेमारी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली में खाद्य सुरक्षा विभाग (एफडीए) ने बिना लाइसेंस के रसगुल्ले बनाने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 402 किलोग्राम खाद्य पदार्थ नष्ट कर दिए। यह छापेमारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के निर्देश पर दिल्ली के निहाल विहार इलाके में की गई। इसके अलावा, राजधानी की मोरी गेट खोया मंडी में 520 किलोग्राम खराब खोया और छेना भी नष्ट किया गया।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभाग की ओर से यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने भी एकत्र किए गए हैं, जिन्हें आगे की जांच के लिए भेजा गया है। देश के विभिन्न राज्यों में मिठाई बनाने और बेचने वाली इकाइयों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में तेलंगाना और बिहार में भी खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामलों में कार्रवाई की गई है।

तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स (टीजी सेफ) ने राज्य के सभी जिलों में मिठाई निर्माण और बिक्री से जुड़ी इकाइयों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान कुल 53 इकाइयों का निरीक्षण किया गया। टीजी सेफ ने रविवार को जारी बयान में बताया कि 23 अक्टूबर को किए गए निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामले सामने आए।

अधिकारियों ने कुछ इकाइयों में फर्श क्षतिग्रस्त होने, खाद्य अपशिष्ट बिखरा होने, सफाई वाले स्थानों के गंदे होने और नालियों में खाद्य कचरा जमा होने जैसी



खामियां पाईं। इसके अलावा, दीवारों पर गंदगी और खाद्य पदार्थों के अवशेष मिले। कुछ प्रतिष्ठानों में कीट नियंत्रण और खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों के स्वास्थ्य से जुड़े रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे। कर्मचारियों को बिना हेयरनेट और दस्तानों के काम करते हुए पाया गया। वहीं, एग्जैस्ट और चिमनियाँ पर चिकनाई जमा थी तथा खाद्य पदार्थों को फर्श पर रखने और खाद्य एवं गैर-खाद्य वस्तुओं को एक साथ रखने जैसी अनियमितताएं भी सामने आईं।

बिहार में भी सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने जांच अभियान तेज कर दिया है।

दिल्ली में 1 नवंबर की कांग्रेस रैली का भाजपा ने किया विरोध, व्यापारियों की चिंता का दिया हवाला

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष महलोत्रा ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी पर जुलाई से लगभग हर दिन अलग-अलग दिनों में दिल्ली और मुंबई में विरोध प्रदर्शन आयोजित करके देश के व्यापार को बर्बाद करने का आरोप लगाया।

उन्होंने यह भी आशंका जताई कि दोनों विपक्षी नेता किसी विदेशी ताकत से चंदा लेकर कारोबारी समुदाय को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस और राहुल गांधी देश को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने के साथ-साथ इसकी आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। ये दिवाली से ठीक पहले 1 नवंबर को दिल्ली में एक राजनीतिक रैली की घोषणा की है, जिससे कारोबारी समुदाय में व्यापक आक्रोश फैल गया है।'।

उन्होंने कहा, 'सिर्फ व्यापारिक संगठन सीआईटी, सीएआईटी और दिल्ली व्यापार महासंघ ही दिवाली से ठीक पहले दिल्ली में घोषित इस



बड़ी राजनीतिक रैली का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि सिख समुदाय में भी आक्रोश है क्योंकि सिख समुदाय 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक तीन दिन 1984 के सिख नरसंहार की याद में मनाता है।' उन्होंने कहा कि दिल्ली का कारोबारी समुदाय करोड़ों रुपए के कारोबार के नुकसान को लेकर चिंतित है और कांग्रेस से नाराज है, वहीं सिख समुदाय भी कांग्रेस की भावनात्मक उपेक्षा से दुखी है।

महलोत्रा ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस को न तो देश के व्यापार की चिंता है, न ही हिंदू समाज के सबसे बड़े त्योहार दिवाली का सम्मान है और न ही सिख समुदाय की भावनाओं की परवाह है।'।

करोल बाग में ट्रैफिक पुलिस का सख्त एक्शन, 1,369 चालान; त्योहारों से पहले तीन मार्ग बंद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। चल रहे त्योहारी और शादी के मौसम को देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस की सेंट्रल रेंज ने इस व्यस्त वाणिज्यिक केंद्र करोल बाग में 18 अक्टूबर 2026 से 24 अक्टूबर 2026 तक एक विशेष यातायात प्रवर्तन और प्रबंधन अभियान चलाया ताकि वाहनों और पैदल यात्रियों की सुरक्षित, सुचारू और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। यह पहल दिल्ली यातायात पुलिस की तत्परता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि वह त्योहारी मौसम में होने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए लक्षित प्रवर्तन और यातायात प्रबंधन उपायों के माध्यम से खरीदारी करने वालों, यात्रियों और स्थानीय निवासियों को सुविधा प्रदान करेगी।

सात दिनों तक चले इस अभियान के दौरान कुल 1,369 चालान जारी किए गए,



जिनमें से 709 गलत पार्किंग, 218 प्रवेश पार्किंग के लिए 285 वाहनों को जब्त किया गया। प्रवर्तन अभियान में असुरक्षित प्रथाओं यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए थे। पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें तीन इसके अतिरिक्त, बाधा उत्पन्न करने वाली लोगों का एक साथ वाहन चलाना, रंगीन शीशे

वाली खिड़कियों का उपयोग, संशोधित साइलेंसर और अनाधिकृत व्यक्तियों को वाहन चलाने की अनुमति देना शामिल था। इन निरंतर प्रयासों का उद्देश्य यातायात अनुशासन में सुधार करना, सड़क अवरोधों को रोकना, उपलब्ध सड़क स्थान का अधिकतम उपयोग करना और व्यस्त त्योहारी अवधि के दौरान सुगम आवागमन सुनिश्चित करना था।

लक्षित यातायात प्रबंधन उपायों के तहत, सरस्वती रोड पर चर्च कट, आर्य समाज रोड पर गम्फार मार्केट कट और अजमल खान रोड से देश बंधु गुप्ता रोड की ओर जाने वाले तीन सड़क मार्ग बैरिकेड लगाकर बंद कर दिए गए। इन मार्गों से पैदल यात्री अनाधिकृत रूप से सड़क पार कर रहे थे, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही थी और पैदल यात्रियों और वाहनों के बीच टकराव की संभावना बन रही थी।

जेएनयू-जामिया विवाद पर सीपीआई नेता गिरीश शर्मा का हमला बोले- छात्रों को बदनाम करने की साजिश

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव गिरीश चंद्र शर्मा ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और जामिया की दीवारों पर लिखी बातों, छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों, जम्मू-कश्मीर पर फाकूक अब्दुल्ला के बयान, 1 नवंबर को होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली और उस पर भाजपा के हमले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जहिर दी।

गिरीश चंद्र शर्मा ने आईएनएस से बातचीत के दौरान कहा, 'जंतर-मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ हुए आंदोलन के बाद, भारत सरकार काफी घबरा गई है। सरकार को डर था कि जामिया में छात्र संघ की बहाली के लिए चल रहा छात्रों का आंदोलन, वोट की चोरी के खिलाफ चल रहे आंदोलन से न जुड़ जाए। अगर ऐसा हो



जाता, तो सरकार के लिए बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाती। इसलिए, जामिया प्रशासन पर दबाव डालकर सरकार ने इस आंदोलन को खराब करने की कोशिश की। हम जामिया और वहां के छात्रों को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।

इस तरह के नारे लिखना एक साजिश का हिस्सा है। ये नारे एक साजिश के तहत लिखे गए थे और इन्हें लिखने वाले लोग भीड़ में बाहर से घुसाए गए थे।' उन्होंने कहा कि ये सब भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय इशारे पर हो रहा है। विपक्ष पर आरोप लगाने के लिए एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह आंदोलन काफी समय से चल रहा था, तब की तरह के नारे नहीं लिखे गए। अचानक एक-दो दिनों में ऐसा क्या हो गया कि नारे लिखे गए और नारे लगाए भी गए।

एनसीडब्ल्यू अध्यक्ष विजया रहाटकर के कार्यकाल के दो साल पूरे, जारी की उपलब्धियों की रिपोर्ट

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने रविवार को दो साल का रिपोर्ट कार्ड जारी किया, जिसमें अध्यक्ष द्वारा अपने कार्यकाल के दूसरे वर्ष में चलाए गए कार्यक्रमों और पहलों का विवरण दिया गया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के कार्यकाल के दूसरे वर्ष की रिपोर्ट 'ए शेंयर्ड कॉन्ट्रिब्यूशन' जारी की गई है। इस रिपोर्ट में उनके दूसरे साल के दौरान किए गए प्रमुख कार्यों, रज्यों में हुए कार्यक्रमों और महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं का विवरण दिया गया है। आयोग ने बताया कि 'शे इज ए चेंजमेकर', 'केपस कॉलिंग', 'यशोदा एआई', 'शक्ति संवाद', 'शक्ति समिट', 'कैटलिस्ट्स फॉर चेंज', 'शक्ति और सुरक्षा' तथा 'नारी शक्ति कॉन्क्लेव' जैसे कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं की सुरक्षा, अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए काम किया गया। इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं को शिकायतों के निपटारे की व्यवस्था को बेहतर बनाना और महिला हितैषी प्रशासन को बढ़ावा देना रहा। 22 अक्टूबर को कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा, न्याय और सशक्तीकरण के लिए आयोग की प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहेगी।



दिल्ली में अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 26.466 किलो गांजा बरामद

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की पश्चिमी जिला एंटी-नारकोटिक्स टीम ने रविवार को राजधानी में सक्रिय अंतरराज्यीय गांजा तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनसे जुड़े विभिन्न ठिकानों से कुल 26.466 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस नेटवर्क का संचालन दिल्ली, बिहार और ओडिशा में किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंदन कुमार, नितेश कुमार और विककी कुमार के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 22 से 25 वर्ष के बीच है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20, 25 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि तस्करी के लिए कूरियर सेवाओं का इस्तेमाल किया जाता था। गांजे को साड़ियों के डिब्बों, साउंड बॉक्स और आरओ वाटर प्यूरीफायर के कार्टन में छिपाकर ओडिशा से दिल्ली भेजा जाता था। इसके बाद इसकी स्थानीय नशा दौरेन ख्याला की जेजे कॉलोनी स्थित पुलिस के मुताबिक, एंटी-नारकोटिक्स टीम ख्याला इलाके में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर चंदन कुमार को पकड़ा गया। उसके ई-रिक्शा छिपाकर ओडिशा से दिल्ली भेजा जाता था। इसके बाद इसकी स्थानीय नशा दौरेन ख्याला की जेजे कॉलोनी स्थित पुलिस के मुताबिक, एंटी-नारकोटिक्स टीम ख्याला इलाके में



नसीरुद्दीन शाह के बयान पर एनडीए नेता बोले, असहमति और अराजकता का फर्क जरूर करना चाहिए

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के महाभारत और जामिया के छात्रों पर दिए गए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। भाजपा नेता राम कदम ने नसीरुद्दीन शाह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वह प्रतिभाशाली कलाकार हैं, लेकिन उनके बयान पाकिस्तान के नेता जैसे लगते हैं और वह टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन कर रहे हैं। वहीं भाजपा नेता केया घोष और वीरेंद्र सचदेवा ने भी उन पर पलटवार किया।

अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान पर भाजपा नेता राम कदम ने कहा, 'नसीरुद्दीन शाह एक प्रतिभाशाली कलाकार हैं, और हम



उनकी प्रतिभा का सम्मान करते हैं, लेकिन महाभारत पर उनके विचार ऐसे लगते हैं जैसे वह पाकिस्तानी नेता के तौर पर बोल रहे हों। ये उनके विचार हैं। आप किसका समर्थन कर रहे हैं? क्या आप देश को तोड़ने वाले 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का समर्थन करेंगे? दिल्ली दंगों में शामिल उमर खालिद पर लोगों के घर जलाने और उन्हें मारने के आरोप हैं। नसीरुद्दीन शाह उन लोगों के साथ खड़े हैं जो संसद पर हमला करने वाले अफजल गुरु की तारीफ करते हैं।'